ISSN 2349-6614

फरवरी 2026

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

भाजपा का कायाकल्प अनुष्ठान

नए मुखिया नबीन को सौंपी कमान

भूपाल नोबल्स संस्थान के 104वें स्थापना दिवस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की शिरकत

अर्थ
डायग्नोस्टिक्स
Meaningful, Authentic & Dedicated

PANACEA
DISABILITY RIGHTS ACTIVISTS
PDRA

PANACEA DISABILITY RIGHTS ACTIVISTS

Where Disability Meets Justice

दिव्यांगो के अधिकारों के लिए समर्पित संस्थान

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016
(Rights of Persons with Disability Act, 2016)
की पालना हेतु प्रतिबद्ध

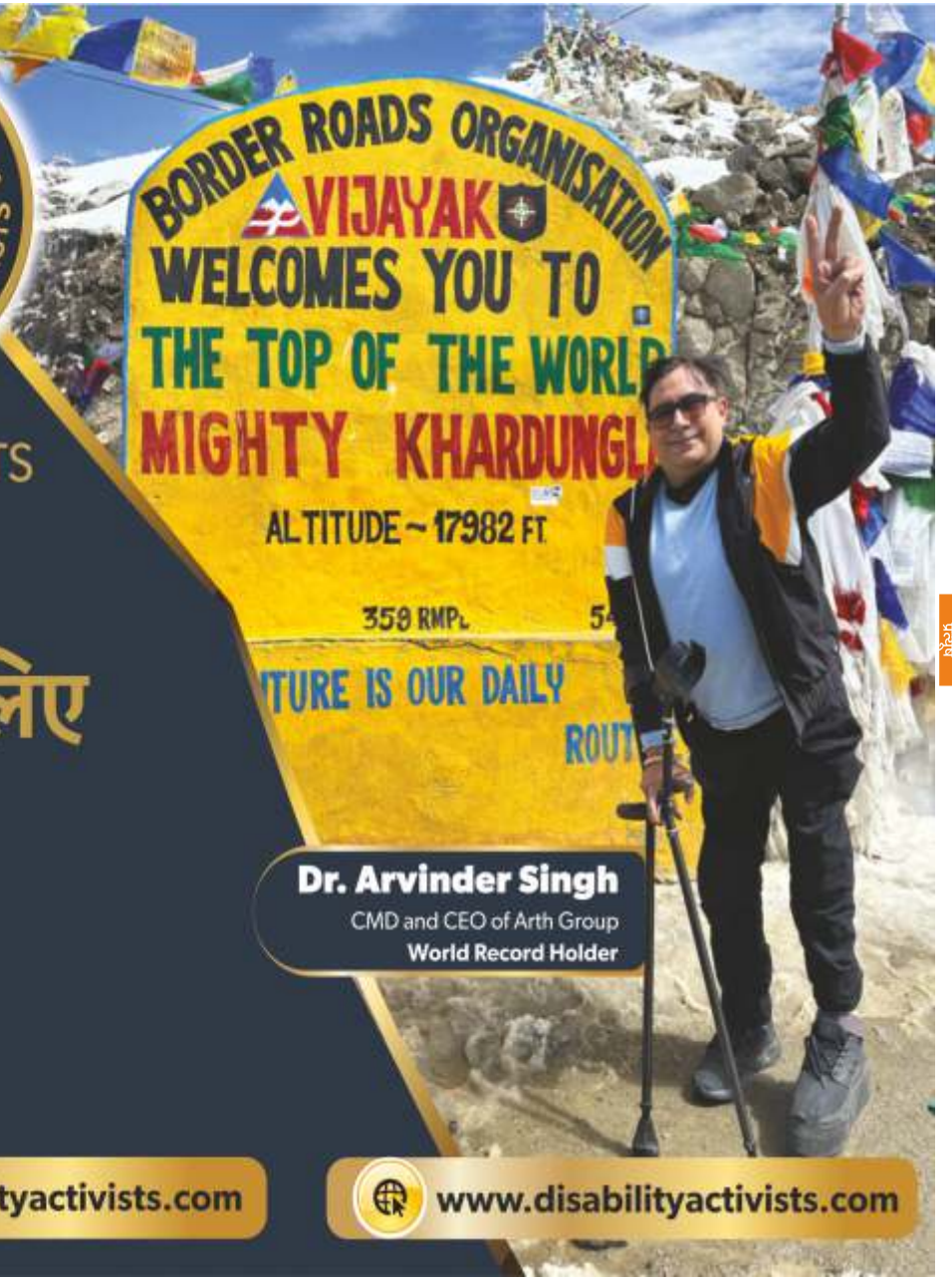

Dr. Arvinder Singh
CMD and CEO of Arth Group
World Record Holder

7073111777
office@disabilityactivists.com
www.disabilityactivists.com

फरवरी 2026 वर्ष: 23 अंक: 10

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका

प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अंदर के पृष्ठों पर...

विश्लेषण

महागठबंधन को बिहार में अगला झटका
पेज 08

अरावली विमर्श

अरावली: 20 नवम्बर का आदेश रोका
पेज 12

रुहानियत

खास होते हैं रमजान के दिन
पेज 18

सुरक्षा

सागर की गहराई में ही तबाह करेगा दुश्मन की पनडुब्बी
पेज 24

कॅरियर

भारत ने खोले अंतरिक्ष में नई संभावनाओं के द्वार
पेज 32

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

स्वाद भी, सेहत भी

अब हर थाली में **Gooddot...**

good dot

100% शाकाहारी | हाई प्रोटीन | हाई डाइटरी फाइबर

ढाबे जैसा असली स्वाद

घर बैठे होटल वाला मज़ा

48g
प्रोटीन

0g
कोलेस्ट्रॉल

मीट जैसा टेस्ट – पूरी तरह वेज

जूसी • हाई प्रोटीन

27g
प्रोटीन

100%
शाकाहारी

शाकाहारी प्रोटीन पावर

ताकत और एनर्जी के लिए

49.16gm
प्रोटीन

16.18gm
डाइटरी फाइबर

2 मिनट में तैयार

राइस ब्रांड आयल की अच्छाइयों से बना

11.92gm
प्रोटीन

रिच
इंग्रेडिएंट्स

Gooddot Enterprises Pvt. Ltd.

184 First Floor, Crossway Building, Near Celebration Mall,
Bhuwana, Udaipur, Rajasthan 313004

Custmer Care Number: 1800 123 500 024 E Mail: info@gooddot.in

अभी ऑर्डर करें
www.gooddot.in

SCAN ME

अराजकता पर अंकुश लगाए बांग्लादेश

बांग्लादेश में स्थितियां सुधरने के स्थान पर बिगड़ने की ओर हैं। पहले समझा गया था कि चुनावों की घोषणा के साथ यह देश स्थिरता की ओर बढ़ेगा, लेकिन चुनावों की घोषणा के तुरन्त बाद हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।

वहां अल्पसंख्यकों की हत्या के सिलसिले का न रुकना बहुत दुखद और चिंताजनक है। बीते दो माह में 15 से ज्यादा अल्पसंख्यकों को बर्बर ढंग से मारा गया है। घर फूंके गए है। मारे गए लोगों में वे हिंदू बुजुर्ग दंपति भी शामिल हैं, जो बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में शामिल थे। इसमें हिंदू समुदाय के भीतर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ये हमले ऐसे समय में हो रहे हैं, जब बांग्लादेश में आए दिन विरोध प्रदर्शनों से अराजक स्थिति पैदा हो रही है। सवाल यह भी है कि हमले अचानक हो रहे हैं या फिर किसी गहरी साजिश के तहत इस तरह की हिंसा का जाल बुना जा रहा है। ऐसे में वहां की अंतरिम सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है।

बांग्लादेश में अगस्त 2024 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बाद हिंसा का सिलसिला शुरू हुआ था। अंतरिम सरकार बनने के बाद वहां माहौल थोड़ा शांत और स्थिर हुआ था, लेकिन हाल के दिनों में हिंसा फिर से जोर पकड़ने लगी है।

इस बीच अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भरोसा दिलाया है कि 12 फरवरी को हर हाल में देश में निष्पक्ष चुनाव होंगे। मोहम्मद यूनुस ने ये बात उस वक्त कही, जब अमेरिका के दो पूर्व सीनियर डिप्लोमैट, अल्बर्ट गोम्बिस और मोर्स टैन ने गत दिनों ढाका में उनसे मुलाकात की। लेकिन अफसोस इस बात का है कि प्रमुख सलाहकार युनूस हिंदुओं की सुरक्षा के मसले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। भारत इस संबंध में चिंता का इजहार करता रहा है, पर उसकी इस चिंता को समझने में बांग्लादेशी सलाहकार समर्थ नहीं हैं। एक जुनून की वजह से वहां तख्तापलट को अंजाम दिया गया और उस जुनून के पीछे जो मजहबी संकीर्णता है, उसे नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। भारत के अनेक शहरों में बांग्लादेश का जो विरोध हो रहा है, उसे गलत नहीं ठहराया जा सकता। भारत ने इस विषय पर काफी संयम का परिचय दिया है, लेकिन हालात बर्दाश्त से बाहर होते जा रहे हैं।

कोई दोराय नहीं कि भारतीय समाज को सद्भावी बनाए रखने की चुनौतियां बढ़ रही हैं। सद्भाव कभी एकतरफा नहीं होता, परस्पर अच्छे व्यवहार से ही उत्पन्न होता है। बांग्लादेश में कभी 22 प्रतिशत हिंदू थे। आज वहां आठ प्र.श. हिंदू भी नहीं है।

बंग्लादेश 1988 में इस्लामी राष्ट्र घोषित हुआ, तब से अल्पसंख्यकों के लिए मुश्किलें बढ़ती चली गईं। वहां कभी 18 गुरुद्वारे थे, अब पांच से भी कम बचे हैं। चंद सिख परिवार ही अब वहां बचे हैं। बौद्धों और ईसाइयों का भी हाल बुरा है। वहां की कार्यवाहक सरकार अपने देश को उस पाकिस्तान के नक्शेकदम पर ले जाना चाहती है, जहां हिंदुओं की आबादी सिर्फ दो प्रतिशत रह गई है। ऐसे पड़ोसियों को पूरी ईमानदारी से भारतीय समाज की ओर देखना चाहिए, जहां अल्पसंख्यकों की आबादी बढ़ रही है और वे सभी समुदायों के साथ तालमेल बिठाते हुए हर क्षेत्र में तरक्की की राह पर हैं। आज समझदार होना समय की सबसे बड़ी मांग है। शिकायतें हमेशा रही हैं और रहेंगी, पर सबसे बड़ी जरूरत है इंसानी ईमान और अमन-चैन बनाए रखना। कौन नहीं चाहता कि दक्षिण एशिया के देश गुरबत से निकलें, पर इसके लिए जरूरी है कि वे एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ें।

प्रत्यूष

बीएमसी में ठाकरे का पटाक्षेप

भाजपा गठबंधन का मेयर बनना तय, 29 नगर निगमों में भाजपा ने जीती 1425 सीटें

एन.के. शर्मा

महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा 2869 सीटों में से 1425 सीटें जीतकर मुंबई और पुणे सहित एक दर्जन से अधिक नगर निगमों में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। पार्टी ने उद्धव ठाकरे और शरद पवार के गढ़ों में सेंध लगाई है। भाजपा ने 227 सदस्यीय बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में 89 सीटें जीतीं, जिससे यहां ठाकरे परिवार का तीन दशकों पुरानी प्रभुत्व समाप्त हो गया। भाजपा की सहयोगी शिवसेना ने 29 सीटें जीतीं, जबकि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने 65 सीटें हासिल कीं । महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) को सिर्फ 6 सीटें मिलीं। वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस ने 24 सीटें जीतीं। एआईएमआईएम को आठ, एनसीपी को तीन, समाजवादी पार्टी को दो और एनसीपी (शप) को बीएमसी में केवल एक सीट मिली। भाजपा ने नवी मुंबई में 65, कल्याण-डोंबिवली में 50, मीरा-भायंदर में 78, नासिक में 72, पनवेल में 55, पुणे में 119, पिंपरी - चिंचवाड़ में 84, सोलापुर में 87, छत्रपति संभाजीनगर में 57, नांदेड़ में 45 और नागपुर में 102 सीटें जीतीं । पुणे चुनावों में भाजपा ने पवार परिवार को चौंका दिया। यहां पार्टी ने 119 सीटें जीतीं । अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को 27 सीटों पर संतोष करना पड़ा जबकि उसकी सहयोगी एनसीपी

जीत के मुख्य कारण

1. लंबे समय से कांग्रेस और उसके सहयोगियों के शासनकाल में आर्थिक विकास की जो संरचना थी, उसने भारत को स्थायी रूप से तीसरी दुनिया के देश की पहचान दी। साल 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आर्थिक विकास को नई दृष्टि दी। उन्होंने न सिर्फ स्वावलबंन को आगे बढ़ाया, बल्कि आक्रामक आर्थिक विकास को सुनिश्चित किया। नतीजतन, भारत दुनिया की शीर्ष चार आर्थिक ताकतों में एक है।

2. **भारत** अब तक की सरकारों की वजह से सामाजिक–सांस्कृतिक रूप से यूरोप केंद्रित रहा। भारत की अपनी पहचान के प्रति न सत्ता के सिद्धांतकारों की रूचि थी और न ही इसके लिए वैकल्पिक विचारधारा को वे प्रोत्साहित करते थे। लंबे समय से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा ने इस वैकल्पिक सामाजिक–सांस्कृतिक दर्शन को उभारने का काम किया। चाहे वह राम जन्मभूमि का आंदोलन हो, काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हो या फिर सोमनाथ मंदिर का उत्सव– सभी पक्षों को भाजपा ने सभ्यताई–सांस्कृतिक आईने में देखने का काम किया।

3. **दुनिया** की राजनीति में सशक्त नेतृत्व और शक्तिशाली देशों का हमेशा निर्णायक हस्तक्षेप रहा है। स्वतंत्रता के बाद से भारत इस प्रयास में ज्यादा सफल नहीं रहा। जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने उन मिथकों को तोड़ दिया कि कोई विकासशील देश अंतरराष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका नहीं निभा सकता। देश के आर्थिक व सामरिक सशक्तीकरण ने दुनिया में भारत की एक अलग पहचान दी है। प्रधानमंत्री के प्रयास ने भारतीयों में नया आत्मविश्वास पैदा करने का काम किया है।

(शप) को तीन सीटें मिली। कांग्रेस ने यहां 15 सीटें जीतीं । 151 सदस्यीय नागपुर नगर निगम में भाजपा ने 102 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को केवल 34 सीटें मिलीं। नासिक में भाजपा ने 72 सीटें जीतीं, शिवसेना को 26, शिवसेना (यूबीटी) को 15, कांग्रेस को तीन और एनसीपी को चार सीटें मिलीं। कुल मिलाकर भाजपा ने 29 नगर निगमों में कुल 2,869 सीटों में से 1,425 सीटें जीतीं । शिवसेना ने 399, कांग्रेस ने 324, एनसीपी ने 167 जीतीं, शिवसेना (यूबीटी) ने 155, एनसीपी (शप) ने 36, एमएनएस ने 13, बीएसपी ने छह, राज्य में पंजीकृत पार्टियों ने 129, अनधिकृत दलों ने 196 और निर्दलीयों 19 सीटों पर जीत हासिल की।

नासिक जिले के मालेगांव नगर निकाय चुनाव में इंडियन सेकुलर लार्जेस्ट असेंबली आफ महाराष्ट्र (इस्लाम) पार्टी ने 84 में से 35 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया । ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम 21 सीट जीतकर दूसरे स्थान पर रही। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 18 सीट मिली।

ओवैसी ने चौंकाया

महाराष्ट्र की शहरी राजनीति में असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुसलिमीन (एआइएम आइएम) के प्रवेश ने बड़ा उलटफेर करते हुए राजनीति के महापंडितों को चौंकाया है। उसने अब तक की सबसे बड़ी चुनावी जीत दर्ज करते हुए राज्य की 29 महानगरगपालिकाओं में संभाजी नगर में 115 वार्डों में 33 सीटें जीत कर शिवसेना और भाजपा के गढ़ में बड़ी सेंध लगादी है। मालेगांव में 21 सीटें जीत कर दूसरे स्थान पर रही तो कभी कांग्रेस के मजबूत गढ़ रहे नांदेड़ में उसने 13 सीटें जीतीं। मुम्बई महानगरपालिका (बीएमसी) में भी उसने अपनी मौजूदगी को विस्तार दिया है। इस बार बीएमसी में उसके 8 सदस्य होंगे, जो कभी मात्र 2 की संख्या तक सीमित रहे। इसके अलावा ठाणे में 5 और नासिक व नागपुर (विदर्भ क्षेत्र) में कुल 21 सीटों पर जीत दर्ज की। अब वह शहरी इलाकों में ऐसी पार्टी बन चुकी है, जिसे नजरन्दाज करना आसान नहीं होगा। उसकी इस सफलता का खामियाजा सीधे-सीधे कांग्रेस, राकांपा (शरद पंवार) और समाजवादी पार्टी को उठाना पड़ा है।

फिर भी भाजपा ना खुश

बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) में रिकार्ड 89 सीटें जीतने के बावजूद भाजपा नीतीजों से उतनी खुश नहीं है, जो कि 2002 के बाद किसी भी पार्टी की ओर से अकेले हासिल की गई सबसे ज्यादा संख्या है। भाजपा का लक्ष्य कम से कम 110 सीटें जीतने का था। ताकि वह बहुमत के करीब पहुंच सके लेकिन वह इससे काफी पीछे रह गई। इसकी वजह उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के कड़े मोलभाव के तहत उसे 91 सीटें दिया जाना रहा। जिससे भाजपा का 155 सीटों पर चुनाव लड़कर 120–125 सीटें जीतने का स्वप्न ध्वस्त हो गया। उसे केवल 137 सीटे ही मुकाबले के मिल पाई। दूसरी तरफ शिवसेना–शिंदे टिकट बटवारे के दौरान आकांक्षियों के प्रति पूरा न्याय नहीं कर पाई, जिससे जिताऊ उम्मीदवारों की संख्या कम होकर 29 पर टिक गई और इसका सीधा फायदा उद्धव की शिव सेना को हुआ।

75 हज़ार करोड़ का बजट

बीएमसी का सालाना बजट लगभग 75 हजार करोड़ रूपए का है। यह देश का सबसे अमीर नगर निकाय है। इसका बजट भारत के नौ राज्यों के वार्षिक आय-व्यय से भी ज्यादा है। बाला साहेब ठाकरे ने एक समय इस निकाय पर कब्जा कर शिवसेना को यहां तक पहुंचाया था। महाराष्ट्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण महानगर मुम्बई की बादशाहत ही महाराष्ट्र की सियासी दशा-दिशा को तय करती है। इस पर कब्जे के लिए परिवार आपस में लड़े, विभाजित हुए और फिर एक भी हुए। आगे भी यह क्रम जारी रह सकता है। बाला साहेब की विरासत के रूप में पिछले 25 सालों से अपने राजनैतिक कद के लिए बीएमसी का इस्तेमाल करने वाले उद्धव ठाकरे को इस बार उन वोटरों ने पार्श्व में ढकेल दिया है, जो यह मानते हैं कि उद्धव बाला साहेब की हिंदुत्व लाइन से बहुत दूर चले गए हैं।

प्रत्यूष

महागठबंधन को बिहार में अगला झटका

राज्यसभा और विधान परिषद में भी घट जाएंगी सीटें

वर्ष 2026 चुनावी हलचल से भी भरपूर रहने वाला है। संसद के ऊपरी सदन (राज्यसभा) में भी बड़ा परिवर्तन संभव है। इसी साल प.बंगाल, केरल, तमिलनाडु और असम में विधानसभा के चुनाव हैं तो राज्यसभा की 75 सीटों पर क्रमशः अप्रेल, जून और नवम्बर में चुनाव होने हैं। इसी वर्ष राज्यसभा में जिन दिग्गजों का कार्यकाल समाप्त होने वाला है, उनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा, शरद पंवार, दिग्विजय सिंह, केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और जार्ज कुरियन भी शामिल हैं।

अमित शर्मा

बिहार में रणनीतिक खामियों के चलते विधान सभा चुनाव हारने के बाद लालू प्रसाद यादव के राष्ट्रीय जनता दल को आगे भी हार के झटके मिलते रहेंगे। जिसकी टीस 2030 के चुनाव तक राजद के साथ-साथ महागठबंधन को भी बेचैन रखेगी। बिहार विधान परिषद में तो महागठबंधन की सीटें घटेगी हीं, राज्यसभा में भी अगले विधान सभा चुनाव तक उसका प्रतिनिधित्व शून्य हो जाएगा। ऐसा पहली बार होगा और मुख्यमंत्री की कुर्सी के दावेदार लालू-पुत्र तेजस्वी यादव की महत्वाकांक्षा पर तगड़ी चोट होगी। तेजस्वी सहित इस बार राजद के मात्र 25 विधायक हैं। यह संख्या विधान परिषद में भी राजद की संख्यात्मक उपस्थिति कम कर देगी, जहां रिक्तियों का क्रम शुरू होने ही वाला है। अगर विधानसभा का अगला चुनाव निर्धारित समय पर हुआ, तो पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी भी इस चपेट में आ जाएंगी।

विधान परिषद में अभी राजद के 16 सदस्य हैं। उनमें 9 विधानसभा कोटे से हैं। उनमें से मो. फारूख का कार्यकाल जून, 2026 में समाप्त हो रहा है। उसी के आगे-पीछे डॉ. सुनील कुमार सिंह भी सेवानिवृत्त होंगे। मो. सोहैब, मुन्नी देवी और अशोक कुमार पांडेय जुलाई, 2028 में। राबड़ी देवी, अब्दुल बारी सिद्धीकी, डॉ. उर्मिला ठाकुर और सैयद फैसल अली का कार्यकाल मई, 2030 तक है। ऐसे में विधानसभा के अगले चुनाव से पहले राजद को नुकसान तय है। यह नुकसान समग्रता में महागठबंधन को होगा, क्योंकि कांग्रेस के डॉ. समीर कुमार सिंह और भाकपा-माले की शशि यादव की सेवानिवृत्ति से होने वाली रिक्ति को भरने के लिए सभी घटक दलों को मिलाकर भी संख्या पूरी नहीं होने वाली। दरअसल, विधानसभा में संख्या बल के अनुपात में ही उच्च सदन में प्रतिनिधित्व मिलता है। बिहार से राज्यसभा में 16 सदस्य हैं। उनमें राजद की संख्या अभी 5 ही है। उन 5 में से दो (प्रेमचंद गुप्ता व एडी सिंह) का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है। फैयाज अहमद का जुलाई, 2028 और शेष दो (प्रो. मनोज झा, संजय यादव) की कार्यावधि 2030 के अप्रैल में पूरी हो जाएगी। उन्हीं के साथ डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह भी सेवानिवृत्त होंगे, जो बिहार से कांग्रेस के एकमात्र सदस्य हैं। इस तरह महागठबंधन को अपनी सभी छह सीटें गवानी पड़ सकती हैं।

विधानसभा में एनडीए और महागठबंधन के इतर 6 विधायक (पांच एआईएमआईएम और एक बसपा) हैं। समर्थन हेतु महागठबंधन आशान्वित हो सकता है, लेकिन राजनीतिक परिस्थितियां वहां भी आड़े आएंगी। बसपा को रामगढ़ में जीत सतीश सिंह यादव ने दिलाई है। रामगढ़ में राजद प्रत्याशी के रूप में जगदानंद सिंह के पुत्र पराजित हुए हैं। बसपा समर्थन करे, तो हितों का टकराव होगा। वैसे भी बिहार में बसपा के विधायकों के सत्तारूढ़ गठबंधन के साथ चले जाने का रिकार्ड रहा है। एआईएमआइएम बिना शर्त समर्थन देने से रहा, क्योंकि पिछली बार उसके चार विधायकों को राजद तोड़ चुका है।

भाजपा-जदयू की राह आसान

बिहार विधानसभा में संख्याबल को देखें तो भाजपा और जदयू अपनी-अपनी सीटें बचा लेंगे। जदयू के पास 85 विधायक हैं, जिससे वह अपनी दोनों सीटें सुरक्षित रख सकते हैं। वहीं भाजपा के पास 89 विधायक हैं और इस ताकत के दम पर वह दो सीटों पर अपने प्रत्याशी जिताने की स्थिति में है। विपक्षी दल राजद के पास पर्याप्त संख्या नहीं होने के कारण अपनी दोनों सीटें बचा पाना नामुमकिन दिख रहा है। हालांकि एक सीट पर राजद अपने उम्मीदवार को जीता सकता है, बशर्ते महागठबंधन की अन्य पार्टियां उनका समर्थन करें, साथ ही बसपा और ओवैसी की पार्टी भी इसे अपना समर्थन दे।

नितिन नबीन का राज्यसभा जाना लगभग तय

भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नबीन को लेकर पार्टी के भीतर तस्वीर कफी हद तक साफ मानी जा रही है। कार्यकारी अध्यक्ष बनने के दो दिन बाद उन्होंने बिहार कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। वे विधायकी से भी इस्तीफा देकर केंद्र की राजनीति में कदम रख सकते हैं। भाजपा में यह परंपरा रही है कि राष्ट्रीय स्तर के शीर्ष पद पर वह नेता होते हैं, जो संसद का हिस्सा हों। ऐसे में नितिन नबीन को राज्यसभा भेजकर केंद्र की राजनीति में स्थापित करने की तैयारी मानी जा रही है।

हरिवंश और रामनाथ पर संशय

जदयू कोटे से जिन दो नेताओं का कार्यकाल पूरा हो रहा है, वे हैं राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह और केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर। दोनों ही नीतीश कुमार के करीबी और पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। नीतीश कुमार आमतौर पर किसी नेता को दो से ज्यादा बार राज्यसभा भेजने से बचते रहे हैं, लेकिन पद और राजनीतिक हैसियत को देखते हुए दोनों के रिपीट होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

उपेंद्र कुशवाहा का रिपीट होना मुश्किल

राज्यसभा में उपेंद्र कुशवाहा (राष्ट्रीय लोक मोर्चा)का दोबारा जाना इस बार कठिन माना जा रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में काराकाट से हार के बाद उन्हें विधान परिषद भेजने की बात हुई थी, लेकिन वह रास्ता नहीं खुल सका। डैमेज कंट्रोल के तौर पर 2 जुलाई 2024 को भाजपा ने उन्हें राज्यसभा भेजा था। अब विधानसभा चुनाव के बाद उनके बेटे को सीधे मंत्री बनाए जाने से परिवारवाद के आरोप से बचने के लिए भाजपा पर दबाव है। ऐसे में माना जा रहा है कि अप्रैल 2026 के बाद कुशवाहा किसी सदन के सदस्य नहीं रहेंगे।

प्रत्यूष

प्रत्यूष पत्रिका में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें

75979 11992, 94140 77697

Subhash Gupta
94141-50585

Vipul Gupta 97827-24531
Harshit Gupta 97824-70240

Me

Monika Enterprises

All Kind of Audio, Video & Electronics Appliances

LED, Ref, A.C., Washing Machine, Home Appliances

Panasonic

SAMSUNG

HAVELLS

TATA SKY

8, Indra Market, Nada-Khada, Bapu Bazar, Udaipur (Raj.)

पांच राज्यों के चुनाव तय करेंगे देश की दशा और दिशा

साल 2026 ने देश में चुनावी शखंवाद के साथ भारत में प्रवेश किया है। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) सहित 29 महानगरों में चुनाव संपन्न हुए तो दक्षिण भारत से लेकर पूर्वोत्तर तक विधान सभा चुनाव होने हैं, जिसमें असल इम्तिहान एनडीए का न होकर विपक्षी इंडिया गठबंधन का ही होने वाला है। एनडीए ने तो महाराष्ट्र में संपन्न निकाय चुनाव में साल की शुरूआत बम्पर जीत से कर दी है।

विष्णु शर्मा हितैषी

देश के लिए साल 2026 पूरी तरह चुनावी रहने वाला है। पूर्वी भारत के पश्चिम बंगाल, असम के साथ दक्षिण भारत के पुदुचेरी, तमिलनाडु और केरल में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके अलावा 75 राज्यसभा सीटों पर भी अप्रैल से लेकर नवंबर तक चुनाव होने हैं तो उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनावों ने दस्तक दे दी है, जिन्हें 2027 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल कहा जा सकता है। इन चुनावों के नतीजे और राजनीतिक गतिविधियों से सिर्फ सूबे की सियासी बिसात ही नहीं बिछेगी बल्कि देश की दशा और दिशा भी तय होगी। ऐसे में राजनेताओं की बयानबाजी और हर रोज हो रही योजनाओं के ऐलान के चलते इन राज्यों में चुनावी माहौल पर सियासी रंग पूरी तरह चढ़ चुका है। इस साल चार राज्य और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। जिनमें असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी शामिल है। असम विधानसभा में 126 सीटें, केरल में 140, तमिलनाडु में 234, पश्चिम बंगाल में 294 और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा की 30 सीटें हैं। देश के अलग-अलग राज्यों की 75 राज्यसभा सीटें अप्रैल से लेकर जून और नवंबर में खाली हो रही हैं, जिसमें यूपी की 10, बिहार की 5, महाराष्ट्र की 7, राजस्थान और मध्य प्रदेश की 3-3 राज्यसभा सीटों पर चुनाव होने है। इसके अलावा तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी राज्यसभा चुनाव होने हैं।

बंगाल : ममता को कड़ी चुनौती

पश्चिम बंगाल विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 7 मई को खत्म हो रहा है, जिसके चलते यहां पर निर्वाचन आयोग अप्रैल-मई में चुनाव करा सकता है। बंगाल में कुल 294 विधासनभा सीटें है। 2021 के चुनाव में टीएमसी ने 213 सीटें जीती थीं तो भाजपा को सिर्फ 77 सीटें मिली थीं। ममता बनर्जी 2011 से पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज हैं। उनकी टीएमसी लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीत चुकी हैं। ऐसे में उनकी कोशिश लगातार चौथी जीत की है तो भाजपा हर हाल में उनके हाथ से सत्ता छीनने के लिए बेताब है। ऐसे में ममता बनर्जी के लिए अपनी सत्ता को बचाए रखने की कड़ी चुनौती है तो लेफ्ट और कांग्रेस के सामने अपना सियासी वजूद बचाए रखने को जद्दोजहद है। भाजपा के लिए भी चुनौती कम नहीं है क्योंकि कांग्रेस और वाम दलों के एकदम पस्त होने से उनका वोट बैंक उसकी तरफ आने से ज्यादा टीएमसी की मुड़ा है। पिछले दो चुनावों में भाजपा का वोट प्रतिशत सिर्फ डेढ़ फीसदी बढ़ा तो तृणमूल ने 3 फीसदी ज्यादा वोट हासिल किया है।

उपचुनाव-निकाय चुनाव

कुछ राज्यों में विधानसभा के उपचुनाव भी हैं। मौजूदा विधायक के निधन से ये सीटें खाली हुई हैं। गोवा की पोंडा, कर्नाटक की बागलकोट, यूपी की घोसी, महाराष्ट्र की राहुरी, मणिपुर की ताडुबी और नागालैंड की कोरिडांग सीट पर उपचुनाव होने हैं। इसके अलावा कुछ राज्यों में स्थानीय निकाय चुनाव भी होने हैं, जिसमें महाराष्ट्र के हो चुके तो यूपी में बाकी हैं। महाराष्ट्र में बीएमसी सहित 29 महानगर निगम के चुनाव हो चुके हैं, लेकिन जिला परिषद और पंचायत समितियों के चुनाव होना है।

तमिलनाडु : त्रिकोणीय लड़ाई

तमिलनाडु विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 10 मई को खत्म हो रहा है। इसके चलते अप्रैल-मई में चुनाव हो सकते हैं। तमिलनाडु में डीएमके नेता स्टालिन की परीक्षा होनी है तो एआईएडीएमके भी अपनी वापसी के लिए बेताब है, भाजपा के साथ पुन: गठबंधन के बाद वहां मुकाबला रोचक हो गया है।

2021 के चुनाव में एमके स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने राज्य की कुल 234 में से 133 सीटों पर जीत दर्ज कर सरकार बनाई थी, डीएमके के साथ गठबंधन में कांग्रेस ने 18 सीटे जीती थीं। सूबे की सत्ता पर 10 सालों तक काबिज रही

एआईएडीएमके महज 66 सीटें जीत पाई थीं। एआईएडीएमके के साथ गठबंधन करने के बाद भाजपा 4 सीटें पाई थीं।

इस बार सियासी हालत बदल गए हैं। इस बार तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सिर्फ एनडीए और इंडिया ब्लॉक में ही नहीं बल्कि तीसरा फ्रंट भी मैदान में है। तमिल एक्टर थलपति विजय ने अपनी पार्टी तमिलागा वेट्री कज़गम बनाकर डीएमके बनाम एआईएडीएमके की लड़ाई को इस बार त्रिकोणीय बना दिया है। ऐसे में देखना है कि स्टालिन सत्ता रिपीट कर पाते हैं या नहीं।

केरल : आखिरी किला बचाने की चुनौती

केरल विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 मई को समाप्त हो रहा है। ऐसे में केरल में अप्रैल-मई में चुनाव होने की संभावना है। यहां दूसरी बार सत्ता हासिल करने वाले वाम मोर्चा के सामने भी यूडीएफ की चुनौती है। केरल में पिनाई विजयन अगर तीसरी बार सफल होते हैं तो रेकॉर्ड बन जाएगा, लेकिन हार जाते हैं तो लेफ्ट का देश से सफाया हो जाएगा। तिरूवनन्तपुरम में हाल ही सम्पन्न नगर निगम चुनाव भाजपा ने जीतकर केरल में अपना प्रवेश द्वार खोल लिया है। ऐसे में लेफ्ट के लिए अपना आखिरी किला बचाए रखने की चुनौती है। केरल का चुनाव लेफ्ट के अगुवाई एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन के बीच है। साल 2021 के चुनाव में एलडीएफ ने 99 सीटों के साथ सत्ता बरकरार रखी थी। इस बार कांग्रेस की कोशिश सत्ता में वापसी की है। प्रियंका गांधी केरल से सांसद हैं तो राहुल गांधी के राइट हैंड माने जाने वाले केसी वेणुगोपाल भी केरल से आते हैं। इस लिहाज से कांग्रेस सत्ता में आने के लिए बेताब है लेकिन शशि थरूर के क्षेत्र के तिरूवनंतपुरम में भाजपा की जीत से उसके होश भी उड़े हुए है।

असम : भाजपा की तिकड़ी या कांग्रेस की वापसी

असम विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 20 मई। को खत्म हो रहा है। असम में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। भाजपा 2016 से असम की सत्ता में है और लगातार दो विधानसभा चुनाव जीत चुकी है और तीसरी बार सत्ता में आने की जुगत में है तो कांग्रेस की कोशिश अपना सियासी वनवास खत्म करने की है। साल 2021 के असम विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने 126 में से 75 सीटों पर जीत दर्ज कर सत्ता बरकरार रखी थी। कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 50 सीटों पर जीत दर्ज की थी। असम में कांग्रेस से भाजपा में आए मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा काफी लोकप्रिय हैं। यहां एक तीसरा फ्रंट मुस्लिम सियासत के बदरूद्दीन अजमल का भी सक्रिय है।

पुडुचेरी : एनडीए और इंडिया ब्लॉक में रस्साकसी

केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 15 जून, को खत्म हो रहा है। यहां पर मई-जून तक विधानसभा चुनाव हो जाएंगे। 2021 के पिछले चुनाव में ऑल-इंडिया एनआर कांग्रेस (एएनआरसी) और भाजपा के गठबंधन ने कुल 30 में से 16 सीटों पर जीत दर्ज करते हुए सरकार बनाई थी। एएनआरसी ने 10 और भाजपा ने 6 सीटों पर जीत दर्ज की थी इसके उलट कांग्रेस केवल 2 सीटें ही जीत पाई थी, यहां वर्तमान में एएनआरसी संस्थापक एन रंगासामी मुख्यमंत्री हैं। इस बार भी मुकाबला एनडीए बनाम इंडिया ब्लॉक में है।

अरावली: 20 नवम्बर का आदेश रोका

विशेषज्ञ करेंगे संरक्षण का मार्ग प्रशस्त

पंकज कुमार शर्मा

सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर्वत श्रेणियों को बचाने के लिए अपने ही पूर्व निर्णय पर रोक लगाकर बहुत सकारात्मक संदेश दिया है। अरावली हमारी धरोहर ही नहीं जीवनदायिनी भी है। दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और राजस्थान की तो यह जीवन रेखा है। शीर्ष अदालत ने 20 नवम्बर 2025 के अपने ही फैसले पर रोक लगाते हुए एक नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में कदम बढ़ाकर उचित फैसला किया है। पूर्व के फैसले और केन्द्र के रूख को लेकर पूरे देश में मचा हाहाकार फिलहाल शांत हो गया है। अरावली की उपेक्षा सम्बन्धी शिकायतों का सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेकर फैसला किया है कि न्यायालय सम्बंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों की सहायता से तमाम पहलुओं की विस्तृत जांच करेगा। इसके लिए उच्च-स्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित होगी।

सर्वोच्च न्यायालय का 20 नवम्बर 2025 का आदेश अगर लागू हो गया होता तो अरावली के हरियाली विहीन होने का खतरा था। यह समूचा अंचल, भूजल क्षेत्र, भूजल भंडार, वन्य-जीव, उनके आश्रय स्थल सहित इस क्षेत्र में रहने वाले करोड़ों किसानों के उपजाऊ खेत एवं सुरक्षा खतरे में पड़ जाती। बेतरतीब खनन से पहले अरावली की पहाड़ियों की ऊंचाई 100 मीटर से काफी उंची थी। जिले में अरावली का रकबा करीब 10 हजार हैक्टेयर है। यह रकबा करीब-करीब 20 गांवों में आता है। इस हिस्से में पिछले लगभग 40 सालों में पत्थर और सिल्का सेंड के लिए लगातार खनन किया जा रहा है। इसके चलते खनन उद्यमी कहें या खनन माफियाओं ने पहले तो अरावली में पहाड़ियों को खत्म किया। उसके बाद उन्होंने वहां करीब 400-500

फीट गहरी खदानें बना डालीं। यहां शीर्ष अदालत के फैसले तक सैकड़ों क्रैशर बेरोकटोक चल रहे थे।

फौरेस्ट सर्वे आफ इंडिया की रिपोर्ट की मानें तो वर्तमान में अरावली क्षेत्र में कुल मिलाकर छोटी-बड़ी 19 हजार पहाड़ियां चिन्हित हैं। लेकिन 20 नवम्बर 2025 की नयी परिभाषा के मुताबिक पहाड़ी के मानक बदल गये। जाहिर है कि नयी परिभाषा अरावली को नष्ट करने वाली थी। इससे न केवल काफी नुकसान होता, बल्कि समूची अरावली पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ता और वह खण्ड-खण्ड होती। सुप्रीम कोर्ट ने तो पहले भी सीईसी की रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए अरावली में खनन पर रोक लगाई थी। जहां तक पहाड़ की ऊंचाई का सवाल है, पहाड़ की ऊंचाई का पैमाना समुद्र तल से तय होता है। जबकि देखा जाये तो अमूमन अरावली की फैली अधिकांश पहाड़ियों की ऊंचाई 300 मीटर के आसपास है। दिल्ली और गुरग्राम के धरातल की ऊंचाई समुद्र तल से 240 से 260 मीटर के आसपास है। ऐसे में नयी परिभाषा के मुताबिक अरावली की पहाड़ियों की ऊंचाई 100 मीटर से कम यानी 40 से 60 मीटर तक हो जाती है। इसके चलते तकरीबन 90-95 फीसदी वानिकी क्षेत्र अरावली के दायरे से बाहर हो जाता। केवल एक फीसदी ही पहाड़ियां बाकी बची रह पातीं।

DERMADENT CLINIC

Dermatology | Dentistry | Hair Transplant

Hair Transplant

Before

After

Before

After

Before

After

Before

After

State of The Art Clinic

Our Specialties

- Stitch Less Hair Transplant (FUE)
- PRP
- LLLT
- Trichoscopy
- Mesotherapy

Recipient of The Mewar Health Care Achievers Award for Best Hair Transplant Surgeon in Udaipur for 5 consecutive years

Why Dermadent Clinic

- Pioneer of FUE Transplant in Rajasthan.
- Most experienced team of FUE in Rajasthan.
- Vast 8 years of experience in Hair Transplant.
- Dr. Prashant Agrawal; a renowned International faculty and trainer in the field of Hair Transplant.
- SAARC AAD recognised Hair Transplant Training center.
- Have trained more than 100 budding dermatologist in Hair Transplant across India.
- State of the art clinic and operation theatre.

Dr. Prashant Agrawal

Skin Specialist & Hair Transplant Surgeon

60 - Meera Nagar, Shobhagpura, 100 Ft. Road, Udaipur

Hair Transplant HELPLINE NO. 75975-12345

www.dermadentclinic.com

पैरासोशल रिश्ते और बढ़ती चुनौतियां

भगवान प्रसाद गौड़

कभी रिश्ते आँखों की भाषा से पहचाने जाते थे, आज स्क्रीन की रोशनी में गढ़े जा रहे हैं। जिस तकनीक ने मनुष्य को दुनिया से जोड़ा है, उसी तकनीक ने उसे अपनों से भी काटना शुरू कर दिया है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया, लेकिन इसी सुविधा की चकाचौंध में समाज एक ऐसे डिजिटल भ्रम के युग में प्रवेश कर गया है, जहाँ सच्चे रिश्तों की जगह आभासी अपनापन ले रहा है। यही आभासी अपनापन पैरासोशल रिश्ता है, जो आज फ्रॉड की संभावनाएं बढ़ाने वाला प्रमुख कारण बनता जा रहा है। विश्व की लगभग 500 करोड़ से अधिक आबादी किसी न किसी रूप में सोशल मीडिया से जुड़ी हुई है। यह आँकड़ा केवल तकनीकी विस्तार नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का संकेत है। बच्चे, युवा और बुजुर्ग हर वर्ग इस डिजिटल प्रवाह में बह रहा है। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके विवेकहीन उपयोग में है। त्वरित परिणाम, तुरंत खुशी और आसान समाधान की चाह ने सोशल मीडिया को ही मार्गदर्शक, सलाहकार और यहाँ तक कि भावनात्मक सहारा मानने की दिशा में धकेल दिया है। पैरासोशल रिश्तों का जाल- पैरासोशल रिश्ते मूलत: एकतरफ़ा होते हैं। व्यक्ति किसी यूट्यूबर, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, ऑनलाइन वक्ता, डिजिटल माध्यम या चैटबॉट से भावनात्मक रूप से जुड़ जाता है, जबकि सामने वाला व्यक्ति या सिस्टम उसे व्यक्तिगत रूप से जानता तक नहीं। धीरे-धीरे यह भावनात्मक जुड़ाव भरोसे में बदलता है और जब यह भरोसा विवेक से परे चला जाता है, तब व्यक्ति के भ्रामक दावों और ग़लत निर्णयों के शिकार होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। आज नकली वीडियो, डीपफेक तकनीक, झूठे पंपलेट, गढ़ी हुई तस्वीरें और भावनात्मक कहानियों के माध्यम से भ्रम फैलाने की घटनाएँ सामने आ रही हैं। चेहरा किसी का और आवाज़ किसी ओर की डालकर वीडियो तैयार किए जाते हैं। धन दोगुना करने, बीमारी ठीक करने, विवाह कराने, नौकरी दिलाने या जीवन की हर समस्या के त्वरित समाधान जैसे दावे लोगों को गुमराह कर सकते हैं।

फ्रॉड का बढ़ता स्वरूप- आज फ्रॉड केवल एक अपराध नहीं, बल्कि एक संगठित और तकनीकी रूप से परिष्कृत गतिविधि बनता जा रहा है। रोज़ अनेक लोग झूठी भावनाओं और आभासी रिश्तों के प्रभाव में आकर आर्थिक या मानसिक क्षति झेलते हैं। कोई अपनी जीवनभर की कमाई गंवा देता है, तो कोई भीतर से टूट जाता है। सामाजिक संकोच और भय के कारण कई पीड़ित अपनी बात सामने नहीं रख पाते। दुर्भाग्य यह है कि आज सच शांत दिखाई देता है। जबकि झूठ अधिक आकर्षक लगता है। झूठ को भावनात्मक भाषाशैली, मधुर संगीत और तकनीकी चमक के साथ प्रस्तुत किया जाता है। शीशे में दिखने वाले रिश्ते हमेशा भीतर से खोखले होते हैं,कई बार वास्तविक रिश्तों से भी अधिक प्रभावी प्रतीत होते है।

रिश्तों का टूटता ताना-बाना -

डिजिटल भ्रम का सबसे गंभीर परिणाम है- मानवीय रिश्तों का कमजोर होना। विवाह, माता-पिता, भाई-बहन, बच्चे, बुजुर्ग और मित्र—इन रिश्तों में संवाद और संवेदनशीलता कम होती जा रही है। एक ही घर में रहने वाले आपस में कम और स्क्रीन से अधिक जुड़ाव महसूस करने लगे हैं। यदि यही प्रवृत्ति रही, तो समाज से संवेदनशीलता का क्षरण होना तय है। मनुष्य का जुड़ाव धीरे-धीरे मनुष्य से कम और मशीनों से अधिक होने लगेगा, जो सामाजिक संतुलन के लिए एक चेतावनी है।

सरकार और समाज की भूमिका- यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक चुनौती है। आवश्यक है कि डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स पर फैलने वाली भ्रामक जानकारियों, डीपफेक और भावनात्मक दावों को लेकर सतर्कता बढ़ाई जाए। कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन, तकनीकी समझ और जागरूकता तीनों का संतुलन आवश्यक है। साथ ही, जन-जागरूकता समय की सबसे बड़ी ज़रूरत है। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और सामाजिक मंचों के माध्यम से यह समझ विकसित करनी होगी कि हर आकर्षक संदेश सत्य नहीं होता। आज डिजिटल साक्षरता उतनी ही आवश्यक है, जितनी सामान्य शिक्षा।

नया साल-नया संकल्प - नया साल केवल तारीख़ बदलने का नाम नहीं, बल्कि आत्ममंथन और दिशा तय करने का अवसर है। इस नए वर्ष में हमें संकल्पित होना होगा कि -

- तकनीक का उपयोग विवेक और संतुलन के साथ करेंगे।
- हर डिजिटल संदेश और दावे को जाँच-परख के बाद ही स्वीकार करेंगे।
- अपने वास्तविक रिश्तों को समय, संवाद और सम्मान देंगे।
- बच्चों को भावनात्मक रूप से मजबूत और विवेकशील बनाएँगे और सत्य के पक्ष में सजग रखेंगे।

तकनीक मानवता की सेवा के लिए है, मानवता को पीछे छोड़ने के लिए नहीं। यही समझ और जागरूकता हमें एक संतुलित, सुरक्षित और संवेदनशील समाज की ओर ले जा सकती है।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे? किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें। आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

गहरे घावों के साथ खुशियां भी दे गया 2025

उमेश शर्मा

वर्ष 2025 भारत की स्मृतियों में जहां ऐसे गहरे घाव छोड़ गया है, जो ताउम्र सालते रहेंगे। वर्ष आते-जाते रहेंगे लेकिन उन जख्मों की टीस आसानी से भुलाई जाने वाली नहीं है जो पिछले साल छोड़ गया है। । यह सही है कि हम नकारात्मक घटनाओं के कारण ही किसी वर्ष को याद करते हैं लेकिन 2025 उन खुशियों और उपलब्धियों के लिए भी याद किया जा सकता है, जो मन को दु:खी करने वाली घटनाओं पर भारी पड़ीं। पिछले वर्ष आतंक, तकनीकी विफलताओं, भीड़ प्रबंधन की चूक और सुरक्षा में सेंध से जुड़ी घटनाओं ने पूरे राष्ट्र को भीतर तक झकझोर दिया। कश्मीर की शांत वादियों में पहलगाम की बैसरन घाटी में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या ने मानवता को शर्मसार किया और यह एहसास कराया कि आतंकवाद का जहर अब भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। हालांकि, 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये भारत ने यह संदेश भी दिया कि वह चुप बैठने वाला नहीं है। राजधानी दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में हुआ कार धमाका यह बताने के लिए काफी था कि खतरे केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि राजधानी तक हैं, जहां पढ़े-लिखे और प्रतिष्ठित चेहरे भी हिंसा के सूत्रधार बन सकते हैं। बेंगलुरु में आईपीएल जीत का उत्सव जिस तरह मातम में बदला, उसने साबित कर दिया कि खुशियों के क्षण भी अव्यवस्था और लापरवाही के कारण त्रासदी बन सकते हैं, वहीं अहमदाबाद में हुआ विमान हादसा तकनीकी उत्कृष्टता के दौर में मानवीय और प्रणालीगत चूक की भयावह कीमत को सामने ले आया। प्रयागराज महाकुंभ और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ों ने यह कड़वा सच उजागर किया कि आस्था, यात्रा व उत्सव के आयोजनों में प्रबंधन का अभाव सीधे जानलेवा बन जाता है। इन सभी घटनाओं ने अलग-अलग रूप में एक ही सवाल खड़ा किया कि क्या हम केवल प्रतिक्रिया देने वाला समाज बनकर रह गए हैं या समय रहते उससे सीख लेकर भविष्य को सुरक्षित बनाने की इच्छाशक्ति भी रखते हैं? इन त्रासदियों ने हमें यह सिखाया कि सुरक्षा सिर्फ हथियारों से नहीं, संवेदनशील शासन, जवाबदेह व्यवस्था, पारदर्शिता व मानवीय करुणा से मजबूत होती है। लेकिन यह कोई छिपा तथ्य भी नहीं है कि वर्ष 2025 में सुरक्षा से लेकर खेल मैदान तक, विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर दुनिया के बड़े मंचों तक भारत ने अपनी गहरी छाप छोड़ी है। जैसा कि मैंने पूर्व में ऑपरेशन सिन्दूर का उल्लेख किया, उसने दुनिया को यह पुख्ता और साफ-साफ संदेश दिया कि भारत अपनी सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। अब वह हमलावरों को धूल चटाना सीख चुका है। दुश्मन को उसके घर में घुसकर पटखनी देने का साहस और कौशल उसकी सेनाओं में तरंगित है। इसी तरह 'वंदे मातरम्' का यह 150वां वर्ष था, जिसके लिए केंद्र सरकार ने खास तरह के अभियान चलाए। उनमें देशवासियों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई और 2047 तक देश को विकसित बनाने को लेकर प्रतिबद्धता जताई। खेल की बात करें, तो इस साल पुरुष और महिला, दोनों क्रिकेट टीमों ने आईसीसी ट्रॉफी पर कब्जा किया। पुरुष क्रिकेट टीम ने जहां चैंपियंस ट्रॉफी जीती, तो वहीं महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार विश्व कप अपने नाम किया। 'ब्लाइंट ट्वंटी-20' विश्व कप भी महिला खिलाड़ियों ने जीता और इतिहास रच दिया। एशिया कप में भी तिरंगा लहराया। अंतरिक्ष विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी पिछले साल काफी काम हुए। शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय बने, जो अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पहुंचे। इसरो न सिर्फ स्वदेशी, बल्कि दूसरे देशों के सैटेलाइट भी अंतरिक्ष भेजने लगा है। पिछले दिनों 'बाहुबली', यानी सबसे भारी सैटेलाइट का भी प्रक्षेपण किया गया। इसी तरह, पर्यावरण संरक्षण के हिसाब से देखें तो भारतीय रेलवे अपने पूरे ब्रॉडगेज नेटवर्क के विद्युतीकरण को पूरा करने के बिल्कुल करीब पहुंच गया है। अब अपना देश जीवाश्म ईंधन से हटकर स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2026 भी भारत के लिए शांति, स्थिरता और विकास का हो। अप्रिय घटनाओं से रूबरू न होना पड़े, ऐसी कामना ही की जा सकती है।

With Best Compliments

Paragon

The Mobile Shop

vivo oppo

Redmi 1S honor

NOKIA Connecting People

MOTOROLA

Jio

BlackBerry

mi

INTEX

GiONEE SMART PHONE

htc

SAMSUNG

lenovo FOR THOSE WHO DO.

LAVA MOBILE PHONE

SONY

itel

cromax nothing like anything

and all other mobile trusted brands are available under one roof..

For More Detail Pls Contact

Paragon The Mobile Shop

23, inside Udaipole Udaipur Contact No. 0294-2383373, 9829556439

खास होते हैं रमजान के दिन

डॉ. अमरसिंह राठौड़

माहे रमजान एक ऐसा महिना है जिसका जिक्र कुरआन में मिलता है बाकी अन्य इस्लामी महिनों के नाम कुरआन में नहीं हैं। यह महिना इबादत और गुनाहों की माफी का है। इस महिने में लोग पाबंदी के साथ रोजा, नमाज, तरावीह और तिलावत में लीन रहते है जिसकी वजह से शहर की तमाम मस्जिदे नमाजियों से लबालब रहती हैं। घरों में भी रोजा, नमाज, तरावीह और तिलावत का नूर बरसता रहता है। तीस रोज तक अपनी नफ्स पर काबू रखते हुए गर्मी, प्यास, भूख की परवाह किए बिना लोग पूरी शिद्दत से अल्लाह की राह में रोजे रखते हैं।

खुशियों के इन्द्रधनुष उगाता माहे रमजान, मुकम्मल इन्सानियत का पैगाम तो देता ही है लिहाजा रमजान का हर दिन कुछ खास होता है। रमजान में रोजा रखना और सेहरी का होना जरूरी है। लोग अल सुबह जाग जाते हैं और खास तौर से महिलाएं सेहरी की तैयारी के लिए पुरुषों से पहले जग जाती हैं। सामान्यत: सेहरी से पहले बचे वक्त में लोग तहज्जुद, सुबह से पहले पढ़ी जाने वाली विशेष नमाज अदा करते हैं। यह नमाज घरों में ही अदा की जाती है। हालांकि इन दिनों देर रात तक जागना भारी तो लगता है, क्योंकि सुबह सेहरी के लिए जल्दी उठने की पाबन्दी होती है। खाने-पीने से लेकर नमाज पढ़ने तक का मुकर्रर वक्त मुस्लिम अनुयाइयों की पूरी जिन्दगी को अनुशासित कर देता है। पूरा वक्त इस तरह से मुकर्रर है कि सच्चे मुस्लिम को नेकियों के अलावा कुछ भी सोचने का मौका ही नहीं मिलता। सेहरी के बाद मस्जिदों में फज़र की नमाज की चहल-पहल शुरू हो जाती है। गौरतलब है कि आम दिनों में जहां इस नमाज के दौरान नमाजियों की तादाद बेहद कम होती है, वहां रमजान-ए-पाक में फज़र की नमाज के वक्त मस्जिद में नमाजियों को जगह मिलना भी मुश्किल हो जाता है। एक खास बात यह है कि रमजान के दौरान दिन में शहर के बाजारों में प्राय: सूनापन सा दिखाई देता है। आस-पास नाश्ते और खाने के होटल-रेस्तरां में लोगों की आवाजाही भी कम हो जाती है। शहर की मुस्लिम आबादियों में स्थित खान-पान एवं नाश्ते की दुकानों पर तो पर्दे ही डाल दिए जाते हैं ताकि रोजादारों का अहतराम किया जा सके। रमजान की रवायत के मुताबिक इन बाजारों में रौनक का वक्त बदल कर देर शाम से देर रात तक बल्कि अलसुबह तक हो जाता है। इस दौरान बाजार गुलजार हो जाते हैं। चहल-पहल का नजारा भी देखने योग्य बन जाता है। शाम को अफ्तार का वक्त होने से बाजार में तरह-तरह के फल, मेवों, व्यंजनों, एवं पकवानों की खरीद फरोख्त का सिलसिला परवान चढ़ता है। इन दिनों मुस्लिम घरों की रौनक भी शबाब पर होती है। घरों में तरह-तरह के खानों की तैयारियां आसपास के इलाके को सुहानी खुशबुओं से भर देती है। इस दौरान परिवार के सभी लोगों का एक साथ घर में मौजूद रहना और एक दस्तरखान पर बैठकर रोजा अफ्तार और भोजन करना रमजान के दिनों को बहुत खास बनाता है। यह खास मौका परिवार की आपसी समझ, संवेदना और एकता को बढ़ावा देने का सबब बन जाता है।

अल्लाह ताला के 99 नाम

मुस्लिम *विद्वानों, धर्माचार्यों एवं बुजुर्गों के अनुसार अल्लाह तआला के तीन हजार नाम बताए गए हैं। इनमें से एक हजार हल्लाह के अलावा कोई नहीं जानता और एक हजार वे हैं, जो फरिश्तों के अलावा कोई नहीं जानता और एक हजार वे हैं, जो पैगम्बरों के जरिये हम तक पहुंचे हैं, जिनमें तीन सो तौरत में, तीन सौ जबूर में, तीन सौ इन्जील में और एक सौ कुरआन शरीफ में दिए गए हैं। मशहूर है कि कुरआन में 99 नाम ऐसे हैं जो सब पर जाहिर हैं और एक नाम ऐसा है जो गुप्त रखा गया है, जो इसमे आजम है। विभिन्न सहाब ए अकरम में इस्मे आजम के जो संकेत दिए गए हैं, वे किसी एम नाम से नहीं, हैं, भिन्न-भिन्न नामों को इस्मे आजम बताया गया है। इससे इस निर्णय पर पहुंच सकते हैं कि हर नाम इस्मे आजम है और हर नाम किसी जात से संबद्ध होकर वह नाम इसके लिए इस्मे आजम का काम देता है। विद्वानों का मानना है कि खुदा के सब नाम अच्छे ही अच्छे हैं, तो उसे किसी भी नाम से पुकारा जा सकता है।*

(लेखक सूचना व जनसम्पर्क विभाग के पूर्व निदेशक हैं)

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)

गणतंत्र दिवस

के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

MEMBER J.K. ORGANISATION

JK TYRE & INDUSTRIES LTD.

भाजपा के नए 'बॉस'

भारतीय जनता पार्टी ने बिहार के नितिन नबीन को निर्विरोध पार्टी अध्यक्ष चुनकर यह संकेत दे दिए हैं कि नेतृत्व में अब पीढ़ीगत बदलाव की शुरूआत हो चुकी है। उनकी नियुक्ति स्पष्ट रूप से इस बात का संकेत है कि भविष्य में पार्टी युवा नेताओं को पूरे भरोसे के साथ नेतृत्व का अवसर देने जा रही है। नितिन नबीन ऐसा ही चेहरा हैं, जिस पर भाजपा ने जब भी भरोसा किया, उस पर खरे उतरे फिर बात चाहे छतीसगढ़ विधानसभा चुनाव की हो या लोकसभा चुनाव में सिक्किम की जिम्मेदारी, भाजपा ने उन्हें जिस मोर्चे पर लगाया वहां नितिन नबीन ने परचम लहराया। इतना ही नहीं, बिहार में भी उन्होंने न सिर्फ अपनी सीट को संभाले रखा, बल्कि पांच बार लगातार जीतकर पटना की बांकीपुर सीट को भाजपा के 'गढ़' में तब्दील कर दिया है।

रमेश गोस्वामी

नितिन नबीन को बिहार विधानसभा चुनाव जीतते ही पार्टी ने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का फैसला किया। केवल बिहार की राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे दूरगामी राष्ट्रीय निहितार्थ से जोड़कर देखा जा रहा है। भाजपा नेतृत्व के इस कदम ने दर्शाया है कि वह पार्टी में पीढ़ीगत बदलाव को आगे बढ़ाने के साथ अनुभव, अनुशासन और वैचारिक निष्ठा को तरजीह दे रही है। नितिन नबीन एक कुशल संगठनकर्ता हैं। मंत्री और विधायक के रूप में जनता के बीच लोकप्रिय हैं। कर्मठ हैं। विनम्र और इरादों से मजबूत हैं। बिना किसी शोर शराबे के शांति से काम करते हैं। लो प्रोफाइल हैं लेकिन किसी बड़े मैच के जिताऊ प्लेयर हैं। पश्चिम बंगाल के चुनावी समर के लिए किसी ऐसे ही ऊर्जावान और समर्पित संगठनकर्ता की पार्टी को जरूरत थी। इस पद को संभालने वाले अब तक के सबसे युवा नेता नवीन बाबू पार्टी के साथ ही बड़े हुए हैं, यानी 1980 में जन्मी बीजेपी की उम्र के अध्यक्ष। यह पीढ़ीगत बदलाव और दिल्ली की चकाचौंध वाली राजनीति में बिहार से किसी आम कार्यकर्ता के रूप में आगे बढ़े नेता को जिम्मेदारी देने का एक साहसिक फैसला माना जा सकता है, जो हिम्मत दूसरी पार्टियां नहीं दिखा पाती। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों में तो सिर्फ परिवार ही नेतृत्व है, लेकिन कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों ने भी ऐसी कोई पहल नहीं की, जबकि देश में करीब 21 करोड़ से अधिक नौजवान वोटर हैं। भाजपा में पीढ़ीगत बदलाव की हवा पिछले दिनों राज्यों में बनाए गए मुख्यमंत्रियों से भी महसूस होती रही है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी, गोवा में प्रमोद सावंत, असम में हिमंता बिस्वा सरमा, राजस्थान में भजन लाल शर्मा, मध्य प्रदेश में मोहन यादव, दिल्ली में रेखा गुप्ता जैसे नाम इस लिहाज से गिनाए जा सकते हैं। इसलिए नितिन नबीन की काबिलियत पर सवाल खड़े करना बेमानी-सा है। हो सकता है कि वह पार्टी को किसी दूसरे स्तर पर ले जाएं, जैसे अमित शाह के कार्यकाल में भाजपा न केवल दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनी, बल्कि अपने दम पर वह लोकसभा में 303 सांसदों वाली पार्टी भी बन गई। सन् 1984 में दो सांसदों से साल 2019 में 303 सांसदों की ताकत!

नए चेहरों की और तलाश

20 जनवरी को भाजपा के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के ही नियमित अध्यक्ष चुनाव के बाद संगठन के लिए युवा चेहरों की तलाश शुरू हो गई है। इसके तहत विभिन्न राज्यों में सक्रिय कई युवा चेहरों को संगठन में राष्ट्रीय स्तर पर जगह मिल सकती है। इनमें पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव से लेकर राष्ट्रीय सचिव तक के पद शामिल हैं। नितिन नबीन के साथ पार्टी के संगठन में युवा जोश और अनुभव दोनों के बीच संतुलन साधने की कोशिश होगी। मौजूदा महासचिवों में सुनील बंसल, विनोद तावड़े और तरूण चुग के पास आगे भी यही जिम्मेदारी जारी रह सकती है। वहीं हिमाचल प्रदेश से आने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, तमिलनाडु के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई और त्रिपुरा के पूर्व सीएम बिप्लब देब को महासचिव बनाया जा सकता है। अनुराग ठाकुर के पास युवा मोर्चा के साथ ही सरकार का भी लंबा अनुभव है। वहीं अन्नामलाई तमिलनाडु के साथ ही दक्षिण भारत में पार्टी का जनाधार बढ़ाने में मददगार साबित हो सकते हैं। त्रिपुरा में वामपंथी सरकार को हराकर कमल खिलाने के बाद पहली बार मुख्यमंत्री बने बिप्लब देब पूर्वोत्तर भारत के उन बड़े नेताओं में हैं, जो मूलरूप से भाजपा से आए हैं। संगठन में बड़ी जिम्मेदारी देकर भाजपा पूर्वोत्तर भारत के कार्यकर्ताओं को बड़ा संदेश देने की कोशिश करेगी।

नव वर्ष –26 का पहला अंक मिला। नववर्ष को लेकर सम्पादकीय आलेख चिंतन–मनन का सकारात्मक संदेश था। निश्चय ही हमें नए वर्ष के कुछ संकल्प तय करने चाहिए, जो स्वयं, परिवार, समाज और राष्ट्र के हित में बूंद समान ही सही पर, योगदान दे सकें। साल आते जाएंगे, गुजरते जाएंगे लेकिन जो स्मरणीय होगा, वह आपका होगा। आपका अपनों के लिए प्रयास और योगदान। मेरी तरफ से 'प्रत्यूष' को नववर्ष की बहुत–बहुत बधाई।

तुषार मेहता, डायरेक्टर
नवरूप रजत इंफ्रा.

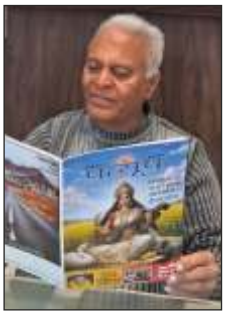

सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर्वत श्रृंखला को लेकर जो टिप्पणी की हैं, उसमें कहा गया है कि इस पहाड़ को लोगों ने आपस में बांट लिया है और भ्रष्ट तरीके से यहां खनन के काम चल रहे हैं। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञ समिति का गठन करने का निर्देश देकर भारत के बड़े भू–भाग को मरुस्थल बनने से बचा लिया है। प्रत्यूष के जनवरी अंक में आम आदमी की इस चिंता की अभिव्यक्ति दिखाई नहीं दी। संभवत समय की सीमा रही होगी। उम्मीद है कि आगामी अंक में पर्यावरण विदों की इस संदर्भ में राय जानने को मिलेगी।

इंदरसिंह मेहता,
समाजसेवी

प्रत्यूष का जनवरी अंक मिला। सबसे पहले तो नववर्ष की प्रत्यूष परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं। नववर्ष को लेकर सम्पादकीय आलेख अच्छा और संदेशात्मक लगा। निश्चय ही हमें नये वर्ष में कुछ ऐसा नया करना चाहिए जो स्मरणीय और संतोषप्रद हो। इस अंक में वसंत संबंधी प्रयाग शुक्ल का आलेख भी अच्छा था। सुबह की और सबकी सहेली 'चाय' पर दिनेश मिश्र की जानकारी नई थी।

बाबूसिंह राजपुरोहित,
डायरेक्टर,
बाबूजी, जोधपुर स्वीट्स

इस बार आपने उदयपुर के व्यापारियों को मध्यस्थ रंगीन पृष्ठों पर स्थान दिया है। निश्चय ही चैम्बर ऑफ कॉमर्स का नया भव्य भवन एक उपलब्धि है। इसकी वर्षों से जरूरत थी। इसके लिए संरक्षक इन्द्रसिंह मेहता व अध्यक्ष पारस सिंघवी के अथक परिश्रम को श्रेय दिया जाना चाहिए। इसका उद्घाटन करते हुए लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उचित ही कहा कि व्यापारी अपने व्यापार में नवाचार को शामिल करें। बदलते समय में व्यापार प्रणाली और व्यवहार को भी और अधिक रचनात्मकता दी जानी चाहिए।

भंवरसिंह, डायरेक्टर,
महावीर गोल्ड

Ravi Gorwani
Director

// जय झूलेलाल //

Mob.: 9460828897
8875078128

Raj Readymade Centre

Dhanmandi, Teej Ka Chowk, Udaipur (Raj.) 313001

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

2 साल
नव उत्थान - नई पहचान
बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

उत्तिष्ठत
जाग्रत
प्राप्य
वरान्निबोधत।

12 जनवरी, 1863 - 4 जुलाई, 1902

उठो, जागो और
तब तक रुको नहीं,
जब तक लक्ष्य
प्राप्त न हो जाए।

राष्ट्रीय युवा दिवस | 12 जनवरी, 2026

स्वामी विवेकानंद की पावन जयंती पर सादर नमन

दो साल में युवा उम्मीदों को मिले बेहतर अवसर

नियुक्ति / भर्ती

1 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां
1.43 लाख नई सरकारी भर्तियां
निजी क्षेत्र में 2 लाख से अधिक नियुक्तियां

पारदर्शी भर्ती परीक्षा

एसआईटी गठित
डमी अभ्यर्थी, फर्जी डिग्री सम्बन्धी
अन्य अनियमितताओं पर रोक

स्कूटी एवं साइकिल / टैबलेट वितरण

छात्राओं को **39,586 स्कूटियाँ** एवं
10.51 लाख साइकिलें
मेधावी विद्यार्थियों को **88,724 टैबलेट**

स्टार्टअप्स को संबल

65 i-Start लॉन्चपैड नेस्ट स्थापित
658 स्टार्टअप्स को **₹22.48 करोड़** की सहायता

कौशल प्रशिक्षण

3.37 लाख युवाओं को **कौशल प्रशिक्षण**
434 रोजगार शिविरों में 1.20 लाख युवा लाभान्वित

मुख्यमंत्री युवा संबल योजना

4.13 लाख युवाओं को **₹1,155 करोड़**
1.91 लाख **युवाओं को इंटर्नशिप**

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025

जिलों में 17 नवीन **खेलो इण्डिया**
केन्द्रों की स्थापना

कृषि शोध एवं अध्ययन

58,397 **छात्राओं को ₹103 करोड़**
की प्रोत्साहन राशि

खिलाड़ियों का सम्मान

1,754 खिलाड़ियों को
₹39.57 करोड़ की सहायता

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवाओं को सौगात

- 1 लाख सरकारी पदों पर भर्ती का कैलेंडर
- मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना - 2026
- नवीन युवा नीति - 2026
- रोजगार नीति - 2026

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

सागर की गहराई में ही तबाह करेगा

दुश्मन की पनडुब्बी

'एंड्रोथ' भारतीय नौ सेना के बेड़े में शामिल, 80 प्रतिशत उपकरण स्वदेशी

गौरव शर्मा

भारतीय नौसेना ने पनडुब्बी रोधी जलपोत आईएनएस 'एंड्रोथ' को अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। यह दुश्मनों की पनडुब्बियों को पानी में ही तबाह करने की क्षमता रखता है।

विशाखापत्तनम में पिछले वर्ष 6 अक्टूबर को पूर्वी नौसेना कमान (ईएनसी) के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में यह नौसेना का हिस्सा बना। इसके शामिल होने से नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्धक क्षमता को मजबूती मिलेगी, जिससे तटीय व उथले पानी में अभियानों को अंजाम देना आसान होगा। इसे कोलकाता की स्वदेशी कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने बनाया है। 'एंड्रोथ' नौसेना में शामिल होने वाला दूसरा पनडुब्बी रोधी युद्धक जलपोत है। पहला युद्धक 'अर्नाला' मई में नौसेना के बेड़े में शामिल हुआ था।

2025 में ये युद्धपोत भी शामिल: आईएनएस नीलगिरि, आईएनएस सूरत, आईएनएस वाग्शीर, आईएनएस उदयगिरि, आईएनएस हिमगिरि, आईएनएस तमाल, आईएनएस निस्तार को नौसेना बेड़े में शामिल किया गया था। युद्धपोत आईएनएस 'एंड्रोथ' के भारतीय नौसेना में शामिल होने से देश की समुद्री ताकत में इजाफा हुआ है। एंड्रोथ समुद्र में ही दुश्मनों की पनडुब्बियों को बर्बाद करने की क्षमता रखता है। इसमें 80 फीसदी सामान स्वदेशी है और यह दूसरा एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट है। यह एक छोटा युद्धपोत है, जिसे उथले समुद्री इलाकों में पनडुब्बियों को खोजने और नष्ट करने के लिए बनाया गया है। उथले समुद्री इलाके वो होते हैं जहां कम गहरा पानी होता है और इसमें पारंपरिक बड़े युद्धपोत पनडुब्बियों पर नजर रखने में कम प्रभावी होते हैं। ऐसे में एंड्रोथ को काफी उपयोगी माना जा रहा है।

नाम भी है खास

इस जहाज का नाम लक्षद्वीप के एंड्रोथ द्वीप पर रखा गया है। इससे पहले भी आईएनएस एंड्रोथ नाम का जहाज भारतीय नौसेना में शामिल था, जिसने 27 साल तक देश की सेवा की। नया एंड्रोथ उसी परंपरा को आगे बढ़ाएगा।

इसकी विशेषताएं

77-77.6
मीटर तक लंबाई

10.5
मीटर इसकी चौड़ाई है

46.3
किलोमीटर प्रति घंटा (25 नॉट्स) की स्पीड से चलता है

30
मिमी गन और दो 12.7 मिमी रिमोट कंट्रोल मशीन गन लगी है

आधुनिक हथियारों से लैस

- ये समुद्र में छिपी हुई दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढता है और जरूरत पड़ने पर नष्ट भी करता है, इसके लिए खास उपकरण लगे हैं।
- सोनर सिस्टम, डेप्थ चार्ज (पानी में फटने वाले बम), टोरपेडोस (पनडुब्बी मारक मिसाइलें) को लगाया गया है।
- इसमें आधुनिक हथियार और सेंसर लगे हैं।
- एंड्रोथ नामक दूसरा एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू–एसडब्ल्यूसी) है।
- इस सीरीज के तहत भारत ने इस तरह के कुल आठ जहाज बनाने की योजना बनाई है।

D.S. Paneri
Director
92146 88612

Sandeep
Director
94142 45355

Kapil
Director
77377 07447

Sleepwell

Quality in Reasonable Price

All Kind of Home Furniture

शुभम् फर्नीचर प्लाजा व मानसी फर्निशिंग एंड डेकोर

An ISO 9001-2008 Certified Co.

Tekri Madri Main Road, Near 100 Fit Subcity Centre Road, Udaipur (Raj.)
E-mail: shubham.furnitureplaza@gmail.com

Mukesh Jain,
Director
96808 67866

SHREE VINAYAK SAREE

SAREE
LEHANGAS
SUITS

GST: 08ABCPJ8615P2Z5

1-TA, 27-B, Opp. Rajasthan Bakery,
Hiran Magri Sector 4-5, Udaipur

कर्पूरगौरं करुणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम।
सदा बसन्तं हृदयारबिन्दे भवं भवानी सहितं नमामि।।

शिवमय है संसार की लय

डॉ. लोकेन्द्र सिंह कोट

शिव महायोगी हैं और सांसारिक भी। वे ध्यानस्थ भी हैं और त्रिकालदर्शी भी। शिव भोले भंडारी भी हैं और भक्त भी। शीर्ष भी हैं और शून्य भी। पशुपतिनाथ ने प्रत्येक त्याज्य वस्तु को अपनाया और उन्हें पूज्य प्रतीक बना दिया। शिव-प्रतीकों में जीवन के गूढ़ रहस्य समाएं हैं।

जब भी कुछ अप्रिय सुनने–देखने में आता है तो मुंह से अनायास निकलता है– शिव, शिव, शिव। दुनिया में जितना आलोक है वह शिव है और जहां उसमें कमी आती दिखती–सुनाई देती है तो उस अनुपम आलोक की याद स्वत: हो आती है। हर कमी को शिव ही पूर्ण करते हैं क्योकि यह परम सत्ता शिव की ही अनुगामिनी है। तभी तो वे विष का भी वरण कर नीलकंठ कहलाते हैं। इसलिए कहते हैं कि इस संसार में कोई ऐसी समस्या नहीं है जिसे हल नहीं किया जा सकता क्योंकि सारा भार तो शिव ने अपने ऊपर ले रखा है। बाहर से देखने पर कोई भी समस्या बहुत बड़ी लगती है। लेकिन जब उससे दो–चार होते हैं तो लगता है इससे निपटना कोई बड़ी बात नहीं। यह शिव तत्व ही है जो हमारे अंदर के साहस को जाग्रत करता है, विश्वास को प्रगाढ़ करता है। शिव–मूलत: संस्कृत का शब्द है जिसका एक अर्थ है समस्त परेशानियों, समस्याओं का नाश करने वाले। वेदों उपनिषदों में शिव नाम की अलग–अलग व्याख्याएं हैं लेकिन मंतव्य एक ही है।

विकल्पों के विकल्प हैं शिव

भारतीय अध्यात्म में परम सत्ता तक पहुंचने के लिए कई मार्ग हैं। जो रूचिकर लगे, उस पर चल सकते हैं। धर्मग्रंथों का भी यही मत है कि जितने लोग होंगे उतने मन होंगे और उतने ही विकल्प अर्थात विकल्पों की भरमार। शिव इन सब विकल्पों के विकल्प हैं। जहां सबसे कम नियम–कायदे हों वहीं शिव हैं। वे भस्म धारण करते हैं जो प्रतीक है इस संसार की क्षणभंगुरता का। वे धतूरे और बिल्वपत्र को धारण करते हैं जो प्रतीक है कि जीवन में जो भी कांटे आएं उन्हें शिव को समर्पण करने से ही आपकी राह के कांटे दूर हो जाते हैं। बिल्व पत्र के तीन पात हमारे तीन गुण– सत्व, रजस और तमस को दर्शाते हैं। थोड़ा–सा रजस इसलिए कि हम कार्य कर सकें, थोड़ा तमस इसलिए कि हम सही तरह से सो पाएं और सत्व इसलिए कि यही जीवन का आधार है। इसलिए बिल्व के तीन पत्तों में बीच वाला सत्व का पत्ता शेष दोनों पत्तों से बड़ा होता है। शिव पूजा में फल इसलिए कि जो हम चाहते हैं वह फलित हो फूल इसलिए कि हम उनकी तरह खिलें और जल इसलिए कि जल की दो प्रमुख विशेषताएं हमारे भीतर आएं। पहली संघर्ष की – क्योंकि जल पहाड़, ऊबड़–खाबड़ रास्ते में भी अपनी राह बना लेता है और दूसरी है विनम्रता का भाव, यानी जल परिस्थिति के अनुसार उसी रूप में ढल जाता है, जिस पात्र में डालो उसी के अनुकूल हो जाता है।

शून्य के शिखर पर शिव

शिव को शून्य से जोड़ना भी बहुत वैज्ञानिक है। जहां कुछ भी नहीं है वहां शिव यानी आकाश तत्व है। शून्य को प्राप्त कर लेने वाला ब्रह्मज्ञानी हो जाता है। शून्य में ही लगता है कि वह स्वयं ही सृष्टि है। यदि इस सृष्टि को अपने भीतर एक क्षण के लिए भी बसाना है तो शून्य होना होगा। सिर्फ़ शून्यता ही सब कुछ अपने भीतर समा सकती है। जो शून्य नहीं, वो सबकुछ अपने भीतर नहीं समा सकता। जिस प्रकार एक बर्तन में समुद्र नहीं समा सकता, लेकिन हमारा ग्रह समुद्र को समा सकता है। परंतु इस ग्रह में सौरमंडल नहीं समा सकता। सौरमंडल में ग्रह और सूर्य आ सकते हैं, पर शेष आकाशगंगा इसमें नहीं आ सकती। अगर इस तरह कदम–दर–कदम आगे बढ़ें, तो अंतत: पाएंगे कि सिर्फ़ शून्यता ही हर चीज़ को अपने भीतर समा सकती है। और जो सबसे बड़ा शून्य है वही शिव तत्व है जिसके तहत सब कुछ आता है। 'शिव' शब्द की व्याख्या करते हुए कहा गया है – 'शेते सर्व जगत् यस्मिन् इति शिव' अर्थात जिसमें समस्त जगत शयन कर रहा है, वही शिव है।

शिव-प्रतीकों में जीवन-दर्शन

शिव का एक–एक भाग इस संपूर्ण संसार की सबसे सरल अभिव्यक्ति है। शिव की जटाएं अंतरिक्ष का प्रतीक हैं जो आकाश तत्व से बना है। यह अनंत है और इसका विस्तार अनंत है। जो सबको धारण करता है, अच्छा, बुरा सबकुछ। शिव के जटाजूट पर चंद्रमा है जो प्रतीक है शीतलता का, मन का। सारा खेल मन ही करता है इसलिए मन संतुलित शिव के माध्यम से ही हो सकता है। शिव त्रिनेत्रधारी है जो कि प्रतीक है कि दो ऑखें तो सिर्फ़ संसार को देखने के लिए हैं, वहीं तीसरा नेत्र ज्ञान और प्रज्ञा के लिए है। सर्पहार को वरण करना शिव की चैतन्य, सतर्क अवस्था को दर्शाता है, जहां ध्यान अवस्था तुरीय अवस्था को अभिव्यक्त करती है। त्रिशूल प्रतीक है भौतिक, दैविक और आध्यात्मिक धाराओं का और साथ ही साथ शक्ति का भी। डमरू उस अनहद नाद का द्योतक है जिसकी आकांक्षा सभी को रहती है। शिव के नंदी चार पैर वाले होकर धर्म, अर्थ और मोक्ष के प्रतीक होने के साथ–साथ अनंत प्रतीक्षा व धैर्य के संप्रतीक हैं। नंदी भक्ति के उस रूप का दर्शन करवाते हैं जिसमें भक्त अपने ईश्वर से मिलने को तो आतुर है लेकिन अपनी सीमाओं में। इसी का प्रमाण है कि ध्यानस्थ शिव को कोई भी संदेश पहुंचाना हो तो नंदी सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। इसलिए शिव से पहले नंदी के चरण छुए जाते हैं और उनके कानों में मनोकामना कही जाती है। शिव भय, क्रोध, अहंकार को हर लेते हैं। यही हमारी भगवान शिव से कामना है।

शिवजी भस्म क्यों लगाते हैं?

शिवपुराण की विद्येश्वरसंहिता में भगवान शिव ने भस्म शब्द का अर्थ प्रकट किया है। जिस प्रकार राजा अपने राज्य में सारभूत कर (टैक्स) को ग्रहण करता है, जैसे मनुष्य सस्य (अनाज, पौधे आदि से उत्पन्न होने वाली वस्तुएं) आदि को जला कर (पकाकर) उसका सार ग्रहण करते हैं तथा जैसे जठरानल नाना प्रकार के भक्ष्य, भोज्य आदि पदार्थों के सार को ग्रहण करके देह का पोषण करता है, उसी प्रकार शिव ने इस विद्यमान प्रपंच को जलाकर भस्मरूप में उसके सारतत्व को ग्रहण किया है। इसे दग्ध करके शिव ने उसके भस्म को अपने शरीर पर लगाया है। उन्होंने भस्म के बहाने जगत के सार को ही ग्रहण किया है।

शिवलिंग की आधी परिक्रमा क्यों?

भारतीय संस्कृति में जल को देवता माना गया है और पानी के पात्र को कभी पांव नहीं लगाया जाता। ठोकर लगा पानी न पिया और न ही पिलाया जाता है। ऐसे ही जो जल देवप्रतिमा पर चढ़ाया गया हो, उसे लांघा नहीं जाता। शिवलिंग का नित्य अभिषेक होता है। जिस जल से देवता का अभिषेक हुआ है उसे पांव नहीं लगे इसलिए प्रणाल (जल निकासी की नाली) के बाद भी चंडमुख की व्यवस्था मंदिरों में की गई। इसलिए भगवान शिव की पूजा के बाद शिवलिंग की परिक्रमा हमेशा बायीं ओर से शुरू कर जलधारी के आगे निकले हुए भाग यानी स्त्रोत (जहां से भगवान शिव को चढ़ाया जल बाहर निकलता है) तक जाकर फिर विपरीत दिशा में लौट दूसरे सिरे तक आकर पूरी करनी चाहिए। इसे शिवलिंग की आधी परिक्रमा भी कहा जाता है। जलाधारी या अरघा के स्त्रोत को लांघना नहीं चाहिए, क्योंकि उस स्थान पर ऊर्जा और शक्ति का भंडार होता है।

डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू

A TO Z UNIFORMS

Manufacturers & Suppliers of All Types of Uniforms

(Since 2009)

VIVORA

DEALS IN :

- School | College | Hospital
- Security | Industrial
- Corporate | Hoel Uniforms
- Uniform Sarees | All Categories
- Sports Uniforms

OUR FACILITIES :

- Urgent Stitching
- Proper Measurement
- Customisation Available
- Quality Fabric & Perfect Fit
- Bulk Orders Accepted

WHY CHOOSE US?

- Reliable Quality
- Timely Delivery
- In House Production
- Premium fabric from branded dealers
- One-stop solution from design to distribution

ONE STOP SOLUTION FOR ALL YOUR UNIFORM NEEDS

CONTACT US:

7878563642 | 8005687870

Ho: 62, Nehru Bazar, Udaipur (Raj.)

atozuniformsudaipur@gmail.com

Other Outlets:–

- Sector 14
- Sector 4
- Pratap Nagar
- Nehru Bazar

प्रत्यूष

भूपाल नोबल्स संस्थान ने उत्साह से मनाया अपना 104वां स्थापना दिवस

शिक्षा राष्ट्र निर्माण की आधारशिला: रक्षामंत्री

भूपाल नोबल्स विद्या प्रचारिणी सभा, उदयपुर का 104वां स्थापना दिवस 2 जनवरी को उत्साह पूर्वक मनाया गया। मुख्य अतिथि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था की नींव शिक्षक होता है। शिक्षक को समाज में सम्मान मिलना ही चाहिए, क्योंकि इतिहास साक्षी है कि शिक्षकों ने कई बार सामाजिक परिवर्तनों की बुनियाद रखी। जो झुकना जानता है, वही उठना भी जानता है। शिक्षक को सम्मान देने से शिक्षा स्वयं विकास का पर्याय बन जाती है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि ज्ञान के सही प्रयोग के लिए विवेक अनिवार्य है। विवेकयुक्त ज्ञान विनाश का कारण भी बन सकता है। विद्यार्थियों में विवेक, सोचने की क्षमता और सर्वांगीण दृष्टि विकसित करने में विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वूपर्ण है। मनुष्य अपने शब्दों से नहीं, बल्कि कर्मों से विभूषित होता है। जीवन में सच्ची सफलता और आनंद के लिए अहंकार से मुक्त मन आवश्यक है। उसी से अनंत सुख और परमानंद की प्राप्ति संभव है।

समारोह से पूर्व प्रात: प्रशासनिक भवन में मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन किया गया। इस अवसर पर सलूम्बर विधायक शांता मीणा, सांसद मन्नालाल रावत, सांसद सी.पी. जोशी, भाजपा पदाधिकारी, शिक्षाविद, समाजसेवी, प्रशासनिक अधिकारी, बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन डॉ. अनिता राठौड़ ने किया तथा आभार मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी ने जताया।

लाइफ टाइम अचीवमेंट व बीएन प्राइड अवार्ड

संस्थान के प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़ ने बताया कि संस्थान के विकास में योगदान के लिए उदयसिंह पुरावत, तेजसिंह शक्तावत, रावत मनोहर सिंह कृष्णावत, गुणवंत सिंह झाला, प्रदीप सिंह सांगावत, कृष्ण सिंह सारंगदेवोत, चंद्रगुप्त सिंह चौहान एवं लाल सिंह झाला को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, वहीं खेलों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए कार्तिकी सिंह शक्तावत और अपूर्वी चंदेला को बीएन प्राइड अवार्ड प्रदान किया गया।

महाराणा प्रताप के अपमान पर कड़ा रुख

नाथद्वारा विधायक एवं मेवाड़ पूर्व राजघराने के सदस्य विश्वराज सिंह मेवाड़ ने महाराणा प्रताप पर आपत्तिजनक और असम्मानजनक टिप्पणी करने वाले राजनेताओं पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप की गरिमा को ठेस पहुंचाने वालों को सामाजिक अथवा राजनीतिक मंच से बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए। इस वक्तव्य का सभा में मौजूद लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ समर्थन किया।

फतह आर्ट गैलेरी का लोकार्पण

रक्षा मंत्री ने प्रशासनिक भवन में निर्मित फतह आर्ट गैलेरी का लोकार्पण किया। जिसमें महाराणा फतह सिंह से सम्बंधित फोटों एवं इतिहास को दर्शाया गया है। राजस्थानी परिधान में सजी छात्राओं ने घूमर और लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

सैनिक स्कूल का मार्ग प्रशस्त

समारोह में रक्षा मंत्री ने कहा कि भूपाल नोबल्स की ओर से सैनिक स्कूल खोलने का प्रस्ताव सभी आवश्यक मानकों पर खरा उतरा है और वे व्यक्तिगत रूप से इस दिशा में पूरा प्रयास करेंगे।

-रिपोर्ट : राजवीर

वैभव डांगी, सीएमडी
99503 44320

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

रजनी डांगी
शुभम डांगी

डांगी इण्डस्ट्रीज

सोप स्टोन पाउडर

डोलोमाइट

चाइना क्ले

केल्साइट पाउडर के निर्माता एवं माइनिंग

- पर्ल मिनरल्स एंड केमिकल्स
- डांगी माइनिंग प्राईवेट लिमिटेड
- नेनो क्ले एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड
- देवपुष्प माइनिंग इण्डस्ट्रीज, किच्छा (उत्तराखंड)

एफ-39 (ए) आई. टी. पार्क, रोड नं. 12, मादडी इण्डस्ट्रीयल एरिया, उदयपुर 313 003
फोन : 9649203061/9672203061, ईमेल: pearlmin@rediffmail.com, dangiindustries@rediffmail.com

झूलेलाल प्रीमियर लीग का समापन

उदयपुर। सिंधी समाज के प्रतिष्ठित क्रिकेट टूर्नामेंट झूलेलाल प्रीमियर लीग (जीपीएल) सीजन-4 गत दिनों आयोजित किया गया। सिंधी सेंट्रल युवा समिति के अध्यक्ष विजय आहूजा ने बताया कि उद्घाटन मैच पूर्व सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व. भानुकुमार शास्त्री की स्मृति को समर्पित किया गया। उद्घाटन के दौरान शहर विधायक ताराचंद जैन, भाजपा के पूर्व शहर जिलाध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, सिंधी समाज के अध्यक्ष प्रतापराय चुघ, सुखराम दास, उमेश मनवानी, सुरेश कटारिया, किशोर झांबानी, प्रकाश फुलानी, भगवानदास छाबड़ा वं शास्त्री परिवार के सदस्य उपस्थित थे। शिकारबाड़ी मैदान पर टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में एमोर्रे कैफे एंड रेस्ट्रो की टीम ने न्यूज 24 को एक रन से शिकस्त दी। इस अवसर अतिथि के रूप में सांसद चुन्नीलाल गरासिया, पूर्व सांसद रघुवीरसिंह मीणा, पूर्व उपमहापौर पारस सिंघवी, प्रदेश कांग्रेस महासचिव पंकज शर्मा व सन्नी पोखरना थे। फाइनल मैच शहीद हेमू-कालाणी की स्मृति को समर्पित किया गया। समिति के महासचिव मुकेश खिलवानी ने बताया कि मैच ऑफ द मैच चिराग परियानी रहे। बेस्ट बेटमैन का पुरस्कार नितिन नेभनानी व बेस्ट बॉलर का पुरस्कार जयंत कालरा को दिया गया।

सिंघानिया लॉ कॉलेज का विधिक सहायता शिविर

उदयपुर। सिंघानिया लॉ कॉलेज प्रतापनगर उदयपुर की ओर से 13 जनवरी को बीसलपुर उच्च माध्यमिक विद्यालय जवाईमें विविध सहायता शिविर का सफल आयोजन किया गया। लॉ कॉलेज के प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक आचार्यने बताया कि शिविर में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने समाजोपयोगी विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दी। जितेन्द्रसिंह सोलंकी, अशोक कुमार, आस्था त्रिपाठी, सत्यजीत व प्रेमसिंह द्वारा बाल श्रम विषय पर प्रेरणास्पद नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। जिसमें नशा मुक्ति पर जागरूकता का संदेश दिया वहीं मनीष गौतम द्वारा चिकित्सा सहायता से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। अन्य सामाजिक विषयों पर भी सारगर्भित प्रस्तुतियां दी गई। जिनकी दर्शकों ने सराहना की। मंच संचालन अमनसिंह चंदेल ने किया कुशलतापूर्वक किया। इस शिविर के आयोजन में डॉ. मनीष श्रीमाली, कोमल शर्मा एवं मीतू राही मैडक का विशेष सहयोग रहा। राजकीय माध्यमिक विद्यालय जवाई की प्राचार्य सविता देवी ने सिंघानिया लॉ कॉलेज विद्यार्थियों को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. भूपेन्द्र कुमावत ने कहा कि ऐसे विधिक सहायता शिविर विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं तथा समाज के कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिला हैंडबॉल संघ: वीरमदेव सिंह अध्यक्ष, चौबीसा सचिव

उदयपुर। जिला हैंडबॉल संघ उदयपुर की नवीन कार्यकारिणी के चुनाव में वीरमदेव सिंह कृष्णावत को अध्यक्ष और दीपक मोहन चौबीसा को सचिव मनोनीत किया गया। इसके अलावा पंकज साहू को कोषाध्यक्ष, वरिठ उपाध्यक्ष पद पर डॉ. जोगेन्द्र सिंह खंगारोत और पंकज बोराणा को जिम्मेदारी सौंपी गई। उपाध्यक्ष पद पर विक्रमजीत सिंह शेखावत, डॉ.राजेन्द्र सिंह शक्तावत, हरीश धाबाई और दुर्गेश शर्मा को चुना गया। सह सचिव के रूप में गौरवराज गुर्जर, नीलम यादव, राहुल सिंह और गगन पटेल को मनोनीत हुए। तकनीकी सलाहकार की भूमिका में दीपक प्रताप चावरिया और विष्णुकांत को शामिल किया गया।

युवा उद्यमी सुथार को लाइन प्राइड अवार्ड-25

उदयपुर। उद्योग क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, राजस्थान में सामाजिक कार्यों के लिए उदयपुर के युवा उद्यमी प्रवीण सुथार को लायंस क्लब जयपुर हवामहल द्वारा लाइन प्राइड अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सुधीर बाजपेई, अध्यक्ष अंकित खंडेलवाल, क्लब एडमिनिस्ट्रेटर कैलाश खंडेलवाल ने दिया।

गीतांजलि ग्रुप चेयरमैन का गंगापुर दौरा

गंगापुर। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के अध्यक्ष जेपी अग्रवाल ने अपने पैतृक गांव गंगापुर में स्कूली दिनों के दोस्तों से आत्मीय मुलाकात कर बचपन की यादों को साझा किया। इसके बाद में उनके द्वारा गंगापुर पीएम श्री सीनियर हायर सैकेंडरी स्कूल में प्रयोगशाला निर्माण के लिए दी गई एक करोड़ 21 लाख रुपए की राशि से निर्माणरत कार्य का अवलोकन कर संबंधित लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

सांगावत को बीएन प्राइड अवार्ड

उदयपुर। आरएएस अधिकारी प्रदीपसिंह सांगावत को भूपाल नोबेल्स संस्थान ने प्राइड अवार्ड प्रदान किया। संस्थान के विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए 104वें स्थापना दिवस पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, नाथद्वारा विधायक विश्वराजसिंह, कार्यवाहक अध्यक्ष प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने उनका सम्मान किया। सांगावत के पिता पुलिस महानिरीक्षक प्रेमसिंह चूंडावत भी भूपाल नोबल्स के छात्र रहे हैं।

Dheeraj Doshi
Director

With best Compliments

MEMBER
Hotel Association,
Udaipur

Hotel Darshan Palace

UDA Circle, Saheli Marg, Udaipur 313001 (Raj.)
Phone : (0294) 2425679, 2427364, E-mail : dhiru58364@rediffmail.com
website: www.hoteldarshanpalaceudaipur.com

भारत ने खोले अंतरिक्ष में नई संभावनाओं के द्वार

पंकज कुमार शर्मा

भारत की धरती से अब तक के सबसे भारी उपग्रह का एलवीएम3-एम6 से सफल प्रक्षेपण एक बहुत बड़ी कामयाबी है। इससे न केवल भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि भारत में विज्ञान की बुनियाद को भी बल मिलेगा। अमेरिका का ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 को अपनी निर्धारित कक्षा में स्थापित करने में मिली यह सफलता विश्व स्तर पर उपग्रह प्रक्षेपण बाजार में भारत के स्थान को सुनिश्चित करेगी। भारत अब तक अनेक देशों या कंपनियों के लिए प्रक्षेपण मंच के रूप में काम करता रहा है, लेकिन आम तौर पर छोटे उपग्रहों को ही कक्षा में स्थापित करने में भारत की विशेषज्ञता रही है, पर अब बड़े उपग्रहों के प्रक्षेपण के मोर्चे पर भी भारत का दावा मजबूत हो गया है। यह उपग्रह करीब 6,100 किलोग्राम वजन का था, जिसे बाहुबली की संज्ञा दी जा रही है। इसे 24 दिसंबर को भारतीय अंतिरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के श्री हरिकोटा (आंध्रप्रदेश) स्थित प्रक्षेपण केंद्र से सफलता पूर्वक प्रक्षेपित किया गया था।

अंतरिक्ष विभाग के सचिव और इसरो के अध्यक्ष डॉक्टर वी नारायणन के अनुसार एलवीएम-3 का यह तीसरा पूर्णत: वाणिज्यिक मिशन है और यह वैश्विक स्तर पर किसी भी प्रक्षेपण यंत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों

में से एक है। हालांकि अब भी भारत को इस दिशा में अभी एक लंबा सफर तय करना है। भारत की तुलना में बहुत भारी प्रक्षेपण क्षमता अमेरिका, रूस और चीन के पास है। भारत की तुलना में कई गुना भारी उपकरण या उपग्रह को ये देश अंतरिक्ष में स्थापित कर चुके हैं। यहां इसरो के साथ ही, सरकार को भी सोचना होगा कि भारत किस प्रकार से आगे बढ़ सकता है। पूरा भारतीय अंतरिक्ष अभियान किफायती है, जिसका लाभ लेने के लिए विकसित देश भी लालायित हैं। हालांकि, केवल किफायती होना पर्याप्त नहीं है, पूरी तकनीकी निपुणता के साथ आगे बढ़ना होगा। अंतरिक्ष क्षेत्र में निवेश बढ़ाने की जरूरत है, ताकि यह क्षेत्र देश के विकास में सहायक बन जाए। यूं तो भारत की अंतरिक्ष यात्रा की शुरूआत 1960 के दशक में हुई थी, जिसमें अनेकों कीर्तिमान स्थापित किए गए थे मगर इसकी गति और गौरव आज दुनियां के क्षितिज पर नए भारत का निर्माण कर रहे हैं। आज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अपनी लागत-प्रभावी मिशनों के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है। मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन) इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसकी लागत मात्र 7.4 करोड़ डॉलर थी, जो नासा के मावेन मिशन की लागत का लगभग 10 फीसदी है। इस सफलता ने दिखाया कि भारत कम बजट में भी जटिल अंतरिक्ष मिशन पूरे कर सकता है। इससे एक और कदम आगे चंद्रयान-1 (2008) ने चंद्रमा पर पानी की खोज की पुष्टि करके दुनियां को चौंका दिया था। चंद्रयान-2 (2019) आंशिक रूप से सफल रहा, जिसने ऑर्बिटर को सफलतापूर्वक स्थापित किया मगर चंद्रयान-3 (2023) की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रूव पर सफल लैंडिंग ने भारत को यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश और दक्षिणी ध्रूव पर उतरने वाला पहला देश बना दिया। यह एक ऐतिहासिक क्षण था, जिसने भारत की तकनीकी क्षमता को सिद्ध किया। जिस भारी-भरकम उपग्रह को प्रक्षेपित किया गया है, वह अगली पीढ़ी का उपग्रह है। इसके द्वारा अंतरिक्ष आधारित सेलुलर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी सीधे मोबाइल स्मार्टफोन तक पहुंच सकेगी।

Hotel
Raj Shree Palace

The Royal & Luxury Stay

Opp. Garden Hotel, Gulab Bagh Road, Udaipur - 313001, Ph. : 0294-6505060
E-mail : hotelrajshreepalaceudr@gmail.com, Website : www.hotelrajshreepalace.com

खनन माफियाओं के चंगुल से बचाएं अरावली

अरावली पर्वत श्रेणियां कोई निर्जीव पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि उत्तर भारत का सुरक्षा कवच है। आज हम जिस ताजी हवा और पीने योग्य पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, उसकी चाबी अरावली के पास है। यदि स्वार्थ और विकास की अंधी दौड़ में हमने अरावली को खो दिया तो आने वाली पीढ़ियां एक मरूस्थलीय और जहरीली हवा वाले भारत में सांस लेने को मजबूर होंगी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार गठित विशेषज्ञ कमेटी को इस पर गहराई से विचार कर अपनी अनुशंसाएं देना है। यह एक बड़ी जिम्मेदारी है।

अशोक कुमार

अरावली पर्वत श्रृंखला न केवल भारत की, बल्कि दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वत श्रेणियों में से एक है। भूवैज्ञानिक दृष्टि से यह हिमालय से भी कहीं अधिक पुरानी है। आज, 2026 के परिप्रेक्ष्य में, अरावली केवल एक भौगोलिक संरचना नहीं रह गई है, बल्कि यह उत्तर भारत के करोड़ों लोगों के लिए अस्तित्व की जीवन रेखा बन चुकी है। इसे ''दिल्ली-एनसीआर के फेफड़े'' कहा जाता है, लेकिन वर्तमान में यह फेफड़े शहरीकरण, अवैध खनन और प्रशासनिक अनदेखी के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो रहे हैं।

अरावली थार मरूस्थल की उड़ती हुई रेत को गंगा के उपजाऊ मैदानों और दिल्ली-एनसीआर की ओर बढ़ने से रोकने के लिए एक प्राकृतिक दीवार का कार्य करता है। यदि यह पहाड़ियाँ गायब हो गईं, तो उपजाऊ कृषि भूमि मरूस्थल में बदल जाएगी। अरावली की दरारयुक्त चट्टानी संरचना वर्षा जल को जमीन के नीचे भेजने के लिए एक स्पंज की तरह काम करती है। गुरूग्राम, फरीदाबाद और दिल्ली के गिरते भूजल स्तर के बीच, अरावली ही एकमात्र माध्यम है जो एक्विफर को रिचार्ज करता है। एनसीआर क्षेत्र दुनिया के सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में शुमार है। अरावली के घने जंगल कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने और ऑक्सीजन छोड़ने का प्राथमिक स्त्रोत हैं। यह क्षेत्र तेंदुओं, नीलगाय, सियार, धारीदार लकड़बग्घा और पक्षियों की सैकड़ों दुर्लभ प्रजातियों का प्राकृतिक आवास है। यह राजस्थान के सरिस्का से लेकर हरियाणा के असोला भट्टी तक वन्यजीवों के लिए एक सुरक्षित गलियारा प्रदान करता है।

राजस्थान में अरावली का विस्तार सबसे अधिक है, लेकिन यहाँ यह माफियाओं के निशाने पर है। 2018 में सुप्रीम कोर्ट में पेश की गई एक रिपोर्ट ने देश को झकझोर दिया था, जिसमें बताया गया था कि राजस्थान में अरावली की 31 पहाड़ियाँ पूरी तरह गायब हो चुकी हैं।

2024-25 के आंकड़ों के अनुसार, अवैध खनन की यह समस्यां और गंभीर हुई है। पहाड़ियों के समतल होने के कारण धूल भरी आंधियों की तीव्रता अब साल के अधिकांश समय दिल्ली को प्रभावित करती है। हरियाणा के गुरूग्राम और फरीदाबाद जिलों में स्थिति और भी विकट है। यहाँ पहाड़ियों को काटकर आलीशान फार्महाउस और अवैध रिहायशी कॉलोनियाँ बनाई जा रही हैं। अरावली नोटिफिकेशन (1992) के बावजूद, जमीनी स्तर पर नियमों का उल्लंघन आम है। अरावली को बचाने के मार्ग में आज कई नई और जटिल चुनौतियां खड़ी हैं: भवन निर्माण के लिए पत्थर और रेत की मांग ने अरावली को छलनी कर दिया है। रात के अंधेरे में डायनामाइट से पहाड़ों को उड़ाया जाना पारिस्थितिक तंत्र को अपूरणीय क्षति पहुँचा रहा है।

दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर और दिल्ली-वड़ोदरा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स के कारण पहाड़ियों के बड़े हिस्से को काटा गया है। इसके अलावा, एनसीआर की बढ़ती जनसंख्या के दबाव में जंगलों को समतल मैदान में बदला जा रहा है। अक्सर 'वन' की परिभाषा को लेकर विवाद होता है। हाल के वर्षों में वन संरक्षण संशोधन अधिनियम को लेकर चिंताएं जताई गई हैं,

जिससे अरावली के गैर-वर्गीकृत वन क्षेत्रों पर विकास कार्यों का खतरा मंडराने लगा है।

अरावली के मूल पेड़ों जैसे ढाक, खैर, और बबूल की जगह विलायती कीकर ने ले ली है। यह प्रजाति भूजल, को तेजी से सोखती है और स्थानीय वनस्पतियों को पनपने नहीं देती।

अरावली को बचाने के लिए वर्तमान में तीन स्तरों पर लड़ाई लड़ी जा रही है: सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार कड़ा रूख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि ''अरावली में कोई भी गैर-वानिकी गतिविधि नहीं होगी।'' कोर्ट ने हरियाणा सरकार को खोरी गाँव से अतिक्रमण हटाने और वन भूमि को पुनर्जीवित करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

भारत सरकार ने अरावली के किनारे 1,400 किलोमीटर लंबी और 5 किलोमीटर चौड़ी अरावली ग्रीन वॉल बनाने की योजना शुरू की है। इसका उद्धेश्य पोरबंदर से पानीपत तक वृक्षारोपण के माध्यम से मरूस्थलीकरण को रोकना है।

अरावली को केवल कागजी कानूनों से नहीं बचाया जा सकता। सेटेलाइट इमेजरी

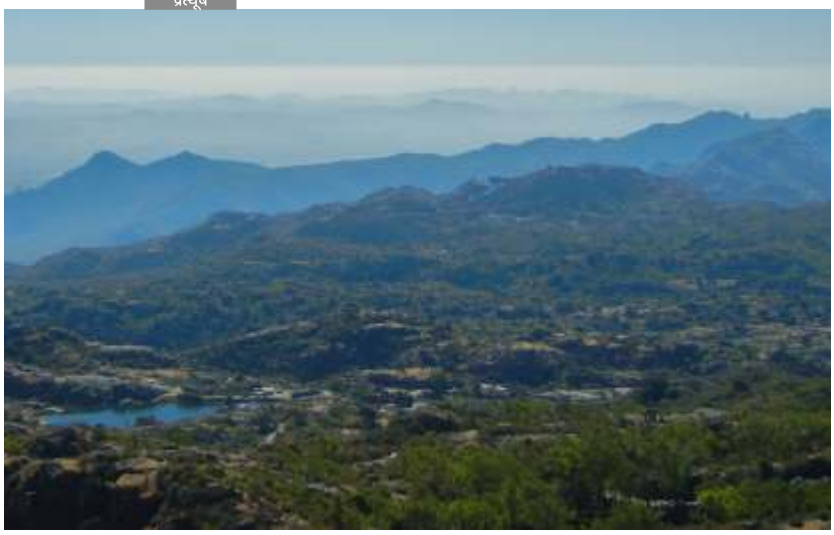

और ड्रोन के जरिए उसकी सीमाओं का सटीक सीमांकन किया जाए ताकि एक इंच भूमि पर भी कब्जा न हो सके। विदेशी पेड़ों को हटाकर स्वदेशी प्रजातियों के जंगल विकसित किए जाएं जो जल संचयन में सहायक हों। अरावली को बिना नुकसान पहुँचाए ट्रैकिंग और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी के लिए विकसित किया जाए। जब स्थानीय लोगों को पर्यटन से रोजगार मिलेगा, तो वे स्वयं इन पहाड़ियों के रक्षक बनेंगे। जिन क्षेत्रों में खनन के कारण गहरे गढ्ढे हो गए हैं, वहां जल संचयन की झीलें बनाई जाएं और गायब हुई पहाड़ियों के स्थान पर कृत्रिम घने वन विकसित किए जाएं। अवैध खनन में लिप्त माफियाओं के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामले चलाए जाएं और उनकी संपतियां कुर्क करने जैसे कड़े प्रावधान हों।

(लेखक कानपुर-गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति हैं)

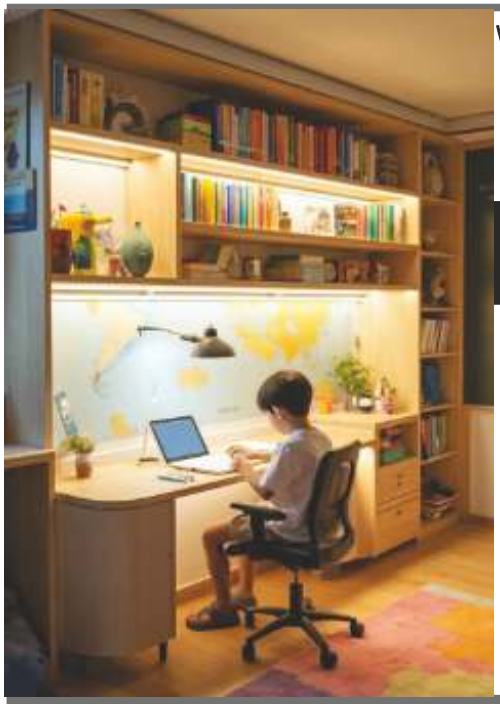

Vijaya Khamesra, Director Mob.: 9784275543

A House Of Interior's

Curtains & Sofa Fabric
Ceiling, Flooring & Wall Coverings

Wall to Wall Carpets, Design Carpets, Door Mats, Imported Carpets, Jute Carpets, PVC Flooring, Ceiling Tiles 1, 1.5, 2 mm PVC Tiles, Green Grass, Wall Posters

Artificial Plants,
Trees & Bunches,
Verticle & Venetion Blinds,
Umberellas & Pebbles

Khamesra Furnishing

203, Ashwani Bazar, Opp. Emerald Tower, Nr. Hathi Pole, Udaipur (Raj.)
E-mail: arunkhamesra@gmail.com

प्रत्यूष

आईसीसी टी20 विश्व कप-2026

7 फरवरी से आगाज़, भारत-पाक एक ग्रुप में

अभिजय शर्मा

इस साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप में 20 टीमों के बीच स्पर्धा होगी। इस वैश्विक टूर्नामेंट की मेजबानी भारत और श्रीलंका करेंगे। भारत इस टूर्नामेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा। भारत ने 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। यह इस टूर्नामेंट का 10वां संस्करण है। सात फरवरी से टूर्नामेंट आरंभ होगा।

8 स्थलों पर होंगे मैच

टी20 विश्व कप 2026 के मुकाबले भारत और श्रीलंका के 8 स्थलों पर होंगे। भारत में कुल 5 स्थानों पर मैच खेलें जाएंगे, जबकि श्रीलंका के 3 स्थलों पर इस वैश्विक टूर्नामेंट के मैच आयोजित होंगे। भारत में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद इस टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी करेंगे। वहीं, कोलंबो (श्रीलंका) के आर प्रेमादासा और एस स्पोर्ट्स क्लब में मैच होंगे, जबकि कैंडी का पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम भी मैच की मेजबानी करेगा।

पहली बार इटली लेगा हिस्सा

पिछली बार की तरह इस बार भी 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन्हें चार ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में 5 टीमें हैं। ग्रुप चरण के बाद सुपर आठ चरण होगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष 2 टीमें इस चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। सुपर आठ चरण में 8 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा। प्रत्येक ग्रुप में 4 टीमें होंगी। इनमें से दोनों ग्रुप से शीर्ष 2 टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी जिसके बाद 2 टीमें फाइनल मुकाबला खेलेंगी। इस बार जो टीमें इस वैश्विक टूर्नामेंट में खेलेंगी उनमें भारत, नामीबिया, नीदरलैंड्स, पाकिस्तान, अमेरिका, बांग्लादेश, इटली, इंग्लैंड, नेपाल, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान,

रोहित टूर्नामेंट के राजदूत

दिग्गज खिलाड़ी पूर्व कप्तान रोहित शर्मा भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले टी20 कप के राजदूत बनाए गए हैं।

20 टीमें चार ग्रुप

ग्रुप ए	ग्रुप बी	ग्रुप सी	ग्रुप डी
भारत	आस्ट्रेलिया	इंग्लैंड	न्यूजीलैंड
पाकिस्तान	श्रीलंका	वेस्टइंडीज	द.अफ्रीका
अमेरिका(यूएसए)	आयरलैंड	बांग्लादेश	अफगानिस्तान
नीदरलैंड्स	जिम्बाब्वे	नेपाल	कनाडा
नामीबिया	ओमान	इटली	संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)

कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं।

भारत दो बार रहा है विजेता

भारत दो बार टी20 विश्व कप का विजेता रहा है। टीम इंडिया ने 2007 में टूर्नामेंट के पहले संस्करण में पाकिस्तान को हराया था, जबकि 2024 में टीम ने दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। भारत के अलावा वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने भी दो बार इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी अपने नाम की है। अब तक कुल 6 टीमें इस टूर्नामेंट की विजेता रही हैं। 2007 में भारत, 2009 में पाकिस्तान, 2010 में इंग्लैंड, 2012 में वेस्टइंडीज, 2014 में श्रीलंका, 2016 में वेस्टइंडीज, 2021 में ऑस्ट्रेलिया, 2022 में इंग्लैंड और 2024 में भारत इस टूर्नामेंट का विजेता बना था।

भारत-पाक के बीच कोलंबो में होगा मैच

भारत टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरूआत अमेरिका के खिलाफ सात

फरवरी को करेगा। यह मुकाबला मुंबई में खेला जाएगा। इसके बाद भारत और नामीबिया के बीच मैच नई दिल्ली में 12 फरवरी को खेला जाएगा। फिर भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को टूर्नामेंट का महामुकाबला कोलंबो के आर प्रेमादासा स्टेडियम में होगा। दरअसल, आईसीसी, बीसीसीआई और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच समझौते के तहत 2027 तक भारत और पाकिस्तान के सभी मैच तटस्थ स्थल पर होंगे। यही कारण है कि दोनों टीमों के बीच मैच की मेजबानी कोलंबो करेगा। भारत ग्रुप चरण में अपना आखिरी मैच अहमदाबाद में 18 फरवरी को खेलेगा।

टी20 विश्व कप 2026 कार्यक्रम

तारीख	टीम1	टीम2	जगह
7 फरवरी	पाकिस्तान	नीदरलैंड्स	एसएससी, कोलंबो
7 फरवरी	वेस्ट इंडीज	बांग्लादेश	कोलकाता
7 फरवरी	भारत	यूएसए	मुंबई
8 फरवरी	न्यूजीलैंड	अफगानिस्तान	चेन्नई
8 फरवरी	इंग्लैंड	नेपाल	मुंबई
8 फरवरी	श्रीलंका	आयरलैंड	प्रेमादासा, कोलंबो
9 फरवरी	बांग्लादेश	इटली	कोलकाता
9 फरवरी	जिम्बाब्वे	ओमान	एसएससी, कोलंबो
9 फरवरी	द.अफ्रीका	कनाडा	अहमदाबाद
10 फरवरी	नीदरलैंड्स	नामीबिया	दिल्ली
10 फरवरी	न्यूजीलैंड	यूएई	चैन्नई
10 फरवरी	पाकिस्तान	यूएसए	एसएससी, कोलंबो
11 फरवरी	द.अफ्रीका	अफगानिस्तान	अहमदाबाद
11 फरवरी	आस्ट्रेलिया	आयरलैंड	प्रेमादासा, कोलंबो
11 फरवरी	इंग्लैंड	वेस्टइंडीज	मुंबई
12 फरवरी	श्रीलंका	ओमान	कैंडी
12 फरवरी	नेपाल	इटली	मुंबई
12 फरवरी	भारत	नामीबिया	दिल्ली
13 फरवरी	ऑस्ट्रेलिया	जिम्बाब्वे	प्रेमादासा, कोलंबो
13 फरवरी	कनाडा	यूएई	दिल्ली
13 फरवरी	यूएसए	नीदरलैंड्स	चेन्नई
14 फरवरी	आयरलैंड	ओमान	एसएससी, कोलंबो
14 फरवरी	इंग्लैंड	बांग्लादेश	कोलकाता
14 फरवरी	न्यूजीलैंड	दक्षिण अफ्रीका	अहमदाबाद
15 फरवरी	वेस्ट इंडीज	नेपाल	मुंबई
15 फरवरी	यूएसए	नामीबिया	चेन्नई
15 फरवरी	भारत	पाकिस्तान	प्रेमादासा कोलंबो
16 फरवरी	अफगानिस्तान	यूएई	दिल्ली

तारीख	टीम1	टीम2	जगह
16 फरवरी	इंग्लैंड	इटली	कोलकाता
16 फरवरी	ऑस्ट्रेलिया	श्रीलंका	कैंडी
17 फरवरी	न्यूजीलैंड	कनाडा	चेन्नई
17 फरवरी	आयरलैंड	जिम्बाब्वे	कैंडी
17 फरवरी	बांग्लादेश	नेपाल	मुंबई
18 फरवरी	दक्षिण अफ्रीका	यूएई	दिल्ली
18 फरवरी	पाकिस्तान	नामीबिया	एसएससी,कोलंबो
18 फरवरी	भारत	नीदरलैंड्स	अहमदाबाद
19 फरवरी	वेस्टइंडीज	इटली	कोलकाता
19 फरवरी	श्रीलंका	जिम्बाब्वे	प्रेमादासा, कोलंबो
19 फरवरी	अफगानिस्तान	कनाडा	चेन्नई
20 फरवरी	ऑस्ट्रेलिया	ओमान	कैंडी
21 फरवरी	Y2	Y3	प्रेमादासा, कोलंबो
22 फरवरी	Y1	Y4	कैंडी
22 फरवरी	X1	X4	अहमदाबाद
23 फरवरी	X2	X3	मुंबई
24 फरवरी	Y1	Y3	कैंडी
25 फरवरी	Y2	Y4	कोलंबो
26 फरवरी	X3	Y4	अहमदाबाद
26 फरवरी	X1	X2	चेन्नई
27 फरवरी	Y1	Y2	प्रेमादासा, कोलंबो
28 फरवरी	Y3	Y4	कैंडी
1 मार्च	X2	X4	दिल्ली
1 मार्च	X1	X3	कोलकाता
4 मार्च	**सेमीफाइनल 1**		**कोलकाता / कोलंबो**
5 मार्च	**सेमीफाइनल 2**		**मुंबई**
8 मार्च	**फाइनल**		**अहमदाबाद / कोलंबो**

अगले साल बुलेट ट्रेन का तोहफा

परियोजना विवरण

508	किलोमीटर बुलेट ट्रेन रूट की कुल लम्बाई
27.4	किलोमीटर कुल सुरंगों की लम्बाई
21	किलोमीटर भूमिगत सुरंग
07	सुरंगें महाराष्ट्र में
01	सुरंग गुजरात में (350 मी.)

दुर्गाशंकर मेनारिया

देश की पहली बुलेट ट्रेन अगले वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर चलनी शुरू हो जाएगी। यह ट्रेन मुम्बई-अहमदाबाद के बीच चलेगी। यह परियोजना लगभग अपने अंतिम चरण में है। पिछले कई वर्षों से इस पर काम चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पिछले साल नवम्बर में इस हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति की समीक्षा की थी।

मोदी सरकार की इस अति महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत महाराष्ट्र स्थित पालघर जिले में पहली हाईस्पीड माउंटेन टनल-4 का काम पिछले दिनों सफलतापूर्वक (ब्रेकथ्रू)संपन्न हो गया। इस अवसर पर 2 जनवरी को रेल भवन में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल शामिल हुए रेलमंत्री अश्विनी चौबे ने बताया कि बुलेट ट्रेन 320 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी। महाराष्ट्र में पहाड़ियों में पहली हाईस्पीड टनल लेकिन महाराष्ट्र से परियोजना की पांचवी इस टनल की लम्बाई 1.5 किलोमीटर है, जो विरार-बोईसर स्टेशनों के बीच है। परियोजना की कुल अनुमानित लागत 1.08 लाख करोड़ रुपए है और इसका करीब 55 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। बुलेट ट्रेन परियोजना में कुल सात सुरंग हैं, जिनमें से एक समुद्र में है। इस परियोजना के 12 स्टेशन होंगे। इनमें महाराष्ट्र में मुम्बई, ठाणे, विरार, बोईसर और गुजरात में वापी, बिलीमोरा, सूरत, भरूच, वड़ोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती शामिल हैं। देश में बुलेट ट्रेन चलाने के कई फायदे हैं। इन फायदों में समय की बचत, आर्थिक विकास को बढ़ावा, रोजगार सृजन, सड़क यातायात के दबाव में प्रदूषण की कमी और तकनीकी उन्नति शामिल है। यह ट्रेन यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और तेज यात्रा का विकल्प देगी, जिससे शहरों के बीच कनेक्टिविटी और व्यापार के अवसर बढ़ेंगे, साथ ही यह ट्रेन पर्यावरण के अनुकूल भी होगी और मेक इन इंडिया पहल को मजबूत करेगी। असल में देश में उन मार्गों पर बुलेट ट्रेन चलाना बहुत जरूरी और फायदेमंद है, जिन पर पूरे साल भारी भीड़ रहती है। इनमें मुंबई-अहमदाबाद के अलावा पूर्व और उत्तर रेलवे के मार्ग प्रमुख हैं।

दिल्ली से यूपी-बिहार होते हुए हावड़ा व गुवाहाटी तक अगर बुलेट ट्रेनें चलाई जाती हैं तो इससे रेलवे की आमदनी में तो वृद्धि होगी ही, यात्रियों को भी काफी सहूलियतें मिलेंगी। कम समय में गंतव्य तक पहुंचाने वाली बुलेट ट्रेनों के इन रेल मागों पर शुरु होने से आम ट्रेनों की उच्च श्रेणियों में सफर करने वाले यात्री बुलेट ट्रेन को प्राथमिकता देने लगेंगे। जाहिर है, इससे सामान्य ट्रेनों में आम यात्रियों के लिए अधिक सीटें उपलब्ध होने लगेंगी। लोग निजी वाहनों या हवाईजहाज की जगह बुलेट ट्रेन को चुनेंगे तो इससे सड़कों पर वाहनों का दबाव कम होगा और वायु प्रदूषण कम होगा। इस तरह भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क का तनाव भी घट जाएगा और यात्रा भी सुगम होगी। बुलेट ट्रेन से लंबी दूरी की यात्राएं बहुत कम समय में पूरी होंगी (जैसे मुंबई-अहमदाबाद का सफर 7-8 घंटे की जगह तीन घंटे से भी कम समय में)। बुलेट ट्रेन की बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की प्रबल संभावना है, जिससे देश का आर्थिक विकास तेज होगा। विकसित देशों में बुलेट ट्रेनें उच्च सुरक्षा मानक और आरामदेह यात्रा के लिए जानी जाती हैं। भारत में जापानी तकनीक के साथ भारतीय कल पुर्जों का उपयोग मेक इन इंडिया पहल को भी मजबूती प्रदान करेगा। रेलवे मंत्रालय को मौजूदा रेल सेवाओं की भी सूक्ष्म समीक्षा करनी चाहिए। मेट्रो सेवाएं जिस तरह की होनी चाहिए, वैसी हैं नहीं। लम्बी दूरी की ट्रेनों में साफ-सुथरे शौचालय व पेंट्री कार की दरकार है। वंदे भारत ट्रेनों की लाभ-हानि पर भी चर्चा की जरूरत है। सेवाओं का विस्तार अच्छी बात है और समय की मांग के अनुकूल आवश्यक भी है, लेकिन इसके साथ-साथ सिस्टम भी कसा हुआ होगा तो ज्यादा बेहतर है ताकि जनता पर साल-दर-साल पड़ने वाले आर्थिक भार और दुर्घटनाओं को कम किया जा सके।

रोशनलाल पालीवाल
डायरेक्टर
94603-24836

युधिष्ठिर पालीवाल
हेल्थ इंश्योरेंस स्पेशलिस्ट
93404-71727,
73401-51727

शुद्ध शाकाहारी भोजन

फुलथाली
60/-
रु.मात्र

हमारे यहां सभी प्रकार के शाकाहारी भोजन
व्यवस्था के ऑर्डर लिए जाते हैं।
मीनू सिस्टम भी उपलब्ध है।

पालीवाल शिव भोजनालय
एवं
स्टार हेल्थ इंश्योरेंस

STAR Health Insurance
Personal & Caring
The Health Insurance Specialist

मोहता पार्क के सामने, पहाड़ी बस स्टैण्ड,
रोडवेज बुकिंग के पास, उदयपुर (राज.)

प्रत्यूष

स्वाद के रंग चुकंदर के संग

वीणा गुप्ता

चुकंदर सेहत की दृष्टि से लाजवाब सब्जी है। इसमें फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है। चुकंदर में आयरन, कैल्शियम, विटामिन ए भी काफी होते हैं। इसमें कोलेस्ट्रॉल बिल्कुल नहीं होता।

लाल पापड़ी चाट

सामग्री

पापड़ी के लिए–मैदा–200

ग्राम, चुकंदर कसा हुआ–एक कप, घी पिघला हुआ–एक छोटा चम्मच, ठंडा पानी–आवश्यकतानुसार मात्रा में, घी या तेल–तलने के लिए। दही–एक कप, सौंठ–1/2 कप, हरी चटनी–1/4 कप, उबले आलू के टुकड़े–1/2 कप, नमक–स्वादानुसार, लालमिर्च पाउडर–1/2 छोटा चम्मच, भुना पिसा जीरा–एक छोटा चम्मच।

परोसने के लिए–फेंटा हुआ

मैदे में घी व कसा हुआ चुकंदर मिलाकर मसलें। ठंडा पानी डालकर कड़ा गूंथ लें। तैयार मैदे की पेड़ियां बनाकर बेल लें। एक इंच या डेढ़ इंच व्यास के गोल टुकड़े काट लें। कांटे से गोदकर घी या तेल में तलें। पापड़ियों को दही, सौंठ, हरी चटनी व आलू के टुकड़ों के साथ सर्व करें। ऊपर से नमक व सभी मसालें डालें। तुरन्त खाएं।

चुकंदरी मसाला डोसा

सामग्री

चावल–2 कप, उड़द की दाल–एक कप, बेसन–एक बड़ा चम्मच, चुकंदर लच्छा–एक बड़ा चम्मच, गरम मसाला–एक छोटा चम्मच, हरीमिर्च बारीक कटी–एक छोटा चम्मच, हरा धनिया कटा– स्वादानुसार, प्याज बारीक कटा–एक कप, पनीर बारीक कटा–एक कप, नमक–स्वादानुसार, रिफाइंड तेल–आवश्यकतानुसार।

यूं बनाएं: दाल और चावल को 6 से 7 घंटे के लिए पानी में भिगोएं और बारीक पीस लें। पिसे मिश्रण में बेसन व नमक मिलाकर फेंटें और 3–4 घंटे के लिए रख दें। प्याज, पनीर, हरीमिर्च, हरा धनिया, नमक व गरम मसाला मिलाएं। डोसा बनाने से पहले घोल में चुकंदर लच्छा मिलाएं। तवा तेज गरम करें। पानी और तेल के छींटें मारें। मंदी आंच पर मिश्रण डालकर फैलाएं। सिक जाने पर भरावन बीच में फैलाएं।

चुकंदर ढकोला

सामग्री

चुकंदर कसा हुआ–1/4 कप, बेसन–एक कप, दही (खट्टा)–एक कप, फ्रूट सॉल्ट–डेढ़ चम्मच छोटा, हरीमिर्च बारकी कटी हुई–एक छोटा चम्मच, अदरक बारीक कटा–एक छोटा चम्मच, लहसुन पेस्ट–1/4 छोटा चम्मच, नमक–स्वादानुसार, तेल–एक बड़ा चम्मच।

यूं बनाएं

सभी सामग्री मिलाएं। आवश्यकतानुसार पानी मिलाकर गाढ़ा घोल बनाएं। अच्छी तरह फेंटकर चिकनाई लगे स्टीम कंटेनर में डालें और माइक्रोवेव में 100 प्रतिशत पावर पर 5 मिनट तक स्टीम करें। ठंडा होने पर कंटेनर से निकालें। मनचाहे आकार के टुकड़ों में काटकर परोसें।

फ्रूट पैन केक

सामग्री: सूजी–एक कप, दही– 1/2 कप, चुकंदर कसा हुआ–एक बड़ा चम्मच, प्याज बारीक कटा–एक बड़ा चम्मच, हरीमिर्च बारीक कटी–एक छोटा चम्मच, टमाटर बारीक कटा–एक बड़ा चम्मच, खीरा कसा हुआ–एक बड़ा चम्मच, नमक– स्वादानुसार, नींबू का रस– एक छोटा चम्मच, रिफाइंड तेल– आवश्यकतानुसार।

यूं बनाएं : तेल को छोड़कर सभी सामग्री मिला लें। आवश्यकतानुसार पानी डालते हुए गाढ़ा घोल बना लें। तैयार घोल को 15 से 20 मिनट के लिए रख दें। नॉनस्टिक पैन को आंच पर रखें। तैयार घोल का एक बड़ा चम्मच डालकर अंदर से बाहर की ओर गोलाई में फैलाएं। मंदी आंच पर दोनों ओर से अच्छी तरह सेकें। चटनी के साथ गरम–गरम परोसें।

कुरकुरे पकौड़े

सामग्री

चुकंदर का लच्छा–1/2 कप, बेसन–एक कप, बेकिंग पाउडर– 1/4 छोटा चम्मच, अदरक बारीक कटा–एक छोटा चम्मच, हरी मिर्च बारीक कटी–एक छोटा चम्मच, नमक स्वादानुसार, अनारदाना–एक छोटा चम्मच, दरदरी सौंफ–एक छोटा चम्मच, दरदरा धनिया–एक छोटा चम्मच, तेल–तलने के लिए।

यूं बनाएं

तेल को छोड़कर सारी सामग्री मिला लें। आवश्यकतानुसार पानी डालकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। कड़ाही में तेल गरम करें। पेस्ट को अच्छी तरह फेंटकर मंदी आंच पर कुरकुरे होने तक पकौड़े तलें। चटनी के साथ गरम–गरम सर्व करें।

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

यह माह आपके लिए अनुकूलता लेकर आया है। आय के साधनों में वृद्धि होगी, नौकरी पेशा अपने वरिष्ठ जनों का सहयोग प्राप्त करेंगे, व्यापार में लाभ रहेगा, पुरूषार्थ का उचित फल मिलेगा। विदेश यात्रा के प्रबल योग बनेंगे, सामाजिक दायरा बढ़ेगा और लोगों से सामंजस्य भी। पैर में चोट या मोच संभव है।

वृषभ

माह का उत्तरार्द्ध उत्साह वर्धन करने वाला होगा। साहस एवं पराक्रम से ही सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा, लंबी यात्राओं के प्रबल योग हैं, नौकरी में स्थानान्तरण की संभावनाएं रहेंगी। स्थानान्तरण भी संभव है। पारिवारिक जीवन में उतार–चढ़ाव आएंगे, स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देंवे।

मिथुन

कार्य क्षेत्र में उतार–चढ़ाव के साथ ही स्थानांतरण के योग हैं। व्यापार करने वाले जातकों के लिए उत्तम लाभ के योग बनेंगे। प्रेम संबंधों के लिए यह महिना अच्छा रहेगा, धार्मिक कार्यों में सलग्न रहेंगे, एवं खर्च भी होगा, आर्थिक रूप से माह का उत्तरार्द्ध अच्छा रहेगा, वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं।

कर्क

यह माह उतार–चढ़ाव से भरा रहने वाला है, विशेष रूप से स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यापार में उतार–चढ़ाव के बावजूद अच्छे परिणाम मिलेंगे। नौकरी पेशा जातक पदोन्नति को प्राप्त हो सकते है खर्च की अधिकता रहेगी, पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं, शेयर बाजार में निवेश से लाभ मिलेगा।

सिंह

विरोधी सिर उठायेंगे उन्हें विवेक से संभालना होगा। दीर्धकालीन योजना बनाना हितकारी होगा, पूर्व में किये गये निवेश का अच्छा लाभ मिलेगा। अपने से वरिष्ठ जनों का परामर्श अवश्य लेते रहें। नए निवेश से बचें, आर्थिक चुनौतियां बढ़ेंगी, कुंवारे जातकों के विवाह योग बनेंगे, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कन्या

पेट से जुड़ी समस्याएं संभव हैं, आय में संतोषजनक वृद्धि होगी। प्रयासो से सफलता मिलेगी परंतु संघर्ष भी करना पड़ेगा। विद्यार्थी वर्ग संतुष्ट रहेगा, परिवार में सकारात्मक वातावरण रहेगा, जीवन साथी को स्वास्थ्य संबंधी कष्ट रहेगा, लंबी यात्राओं से लाभ, नौकरी पेशा जातक कठिन परिश्रम से लाभ प्राप्त करेंगे, व्यापार में दीर्धकालनी योजना फलप्रद होगी।

तुला

जीवन साथी के माध्यम से लाभ संभव। खर्चों में कमी एवं आय में वृद्धि के योग हैं। नौकरी पेशा जातकों को नई चुनौतियां मिलेंगी, व्यावसाय करने वाले जातकों को अनुकूलता रहेगी, विदेश यात्रा के योग बन सकते हैं, स्वास्थ्य कमजोर रहेगा, बैंकों की वित्त योजनाओं एवं शेयर बाजार से पर्याप्त धन लाभ संभव है।

इस माह के पर्व/त्योहार

1 फरवरी	माघ शुक्ल पूर्णिमा	गुरू रविदास जयंती
8 फरवरी	फाल्गुन कृष्ण सप्तमी	श्री नाथ जी पाटोत्सव (श्री नाथद्वारा)
9 फरवरी	फाल्गुन कृष्ण अष्टमी	जानकी प्राकट्योत्सव
15 फरवरी	फाल्गुन कृष्णा त्रयोदशी	महाशिवरात्रि
19 फरवरी	फाल्गुन शुक्ल द्वितीया	छत्रपति शिवाजी जयंती / रामकृष्ण परमहंस जयंती
24 फरवरी	फाल्गुन शुक्ल सप्तमी /अष्टमी	रमजान माह प्रारंभ / होलाष्टक प्रारंभ
27 फरवरी	फाल्गुन शुक्ल एकादशी	खाटू श्याम मेला प्रारंभ / रामस्नेही फूलडोल

वृश्चिक

साहस एवं पराक्रम में वृद्धि रहेगी, मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा। यात्राओं के योग बनेंगे भाई–बहिनों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं परेशान कर सकती हैं, माह का उत्तरार्ध अच्छे परिणाम देने वाला होगा। व्यापार में अनुकूलता रहेगी, आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा, माताजी के स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें।

धनु

नौकरी पेशा जातक अपने सहकर्मियों से अच्छा व्यवहार रखें। व्यवसाय करने वाले जातक नए निवेश से व्यापार को आगे बढ़ा पायेंगे। मित्रों की संख्या में वृद्धि रहेगी, आर्थिक तौर पर माह का पूवार्ध, अधिक अनुकूल रहेगा, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, मुंह संबंधित छोटी–मोटी समस्या हो सकती है, विद्यार्थी वर्ग को परिश्रम की आवश्यकता है।

मकर

यह माह प्रतिकूलता अधिक लिए रहेगा, क्रोध की अधिकता रहेगी, पारिवारिक संबंधों में तनाव संभव है, नौकरी पेशा जातको की अग्नि परीक्षा का समय है, व्यापार करने वालों को चुनौतियों से जूझना होगा, कानूनी कार्यवाही में भी जाना पड़ सकता है। आलस्य–प्रमाद से समस्याएं बढ़ सकती हैं, आय पक्ष मध्यम रहेगा।

कुम्भ

जीवन साथी से विचारों का मतभेद और आपसी सामंजस्य की कमी रहेगी। अपने उग्र स्वभाव पर नियंत्रण रखें, माह के उत्तरार्ध में परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी, नौकरी पेशा जातकों को भागदौड़ करनी पड़ेगी, व्यापार में भी चुनौतियां मिलेंगी, माह का पूर्वार्द्ध स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है, आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा।

मीन

माह का उत्तरार्द्ध परेशानियों का सबब बनेगा, सावधान रहें। नौकरी पेशा जातकों के कार्य की प्रशंसा होगी, व्यापार करने वाले जातकों को दीर्धकालीन योजनाएं बनानी चाहिए। विद्यार्थी वर्ग को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। विदेश यात्रा के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। माह के पूर्वार्ध में आर्थिक स्थिति अनुकूल रहेगी।

प्रत्यूष समाचार

श्रीमाली संस्कार भवन का लोकार्पण

उदयपुर। श्रीमाली समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक आयोजनों के लिए समाज के भामाशाहों द्वारा नव निर्मित श्री संस्कार भवन का लोकार्पण 4 जनवरी को अनुष्ठान पूर्वक हुआ। श्री संस्कार भवन सम्पत्ति व्यवस्था ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित समारोह में सभी भामाशाहों का आभार स्वरूप अभिनंदन किया गया। उदयपुर के टाइगर हिल क्षेत्र में निर्मित यह तीन मंजिल भवन सभी आवश्यक एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। ट्रस्ट अध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली (पूर्व अध्यक्ष नगर विकास प्रन्यास) ने बताया कि यह भवन समाज के प्रमुख हस्ताक्षर रहे अजमेर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति स्वर्गीय प्रो. विजय श्रीमाली द्वारा देखे गए स्वप्न का साकार रूप है। उनके साथ-साथ अनेक भामाशाहों के सहयोग से यह परियोजना पूर्ण हो सकी। सहसंयोजक सुनीलदत्त श्रीमाली एवं सूर्यप्रकाश श्रीमाली ने बताया कि इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में श्रीमाली ब्राह्मण

समाज संस्था मेवाड़ के अध्यक्ष दिग्विजय श्रीमाली और पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम आयोजन में ओमप्रकाश श्रीमाली, भावप्रकाश श्रीमाली, जमनालाल श्रीमाली, गणेश श्रीमाली, नर्बदा शंकर व्यास, भूपेंद्र श्रीमाली, देवेंद्र श्रीमाली की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेमप्रकाश जोशी रहे, जबकि प्रेरणास्त्रोत सत्यनारायण श्रीमाली एवं प्रेमशंकर बोहरा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि श्री संस्कार भवन समाज के लिए एक स्थायी धरोहर है, जो आने वाली पीढ़ियों को संस्कार, एकता और संगठन की दिशा प्रदान करेगा। कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश महेंद्र देव, दिनेश श्रीमाली, सुरेश श्रीमाली सहित प्रमुख अतिथि मौजूद रहे।

एल सोल्जर्स स्कूल में खेल महोत्सव

उदयपुर। एल सोल्जर्स सीनियर सैकंडरी स्कूल डबोक में आयोजित वार्षिक खेल महोत्सव का समापन हुआ। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अलग-अलग खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और खेल भावना का परिचय दिया। खेल महोत्सव में नन्हे विद्यार्थियों के लिए बैलून रेस, फ्रॉग जंप ओर चेयर रेस आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने पूरे जोश और उमंग के साथ भाग लिया। समापन समारोह में स्कूल प्रशासक देवश्रेष्ठ मालवी एवं प्राचार्य श्याम भास्कर ने विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

राजस्थान यात्रा पर पत्रकार राजू

उदयपुर। अभियान आज तक के संपादक चन्द्रशेखर वर्मा (राजू)इंदौर इन दिनों राजस्थान यात्रा पर हैं, पिछले दिनों वे उदयपुर में थे। उन्होंने बताया कि वे अब तक राजस्थान के 14 जिलों की यात्रा कर चुके हैं और पत्रकारों से मिलकर एक साझा राष्ट्रीय मंच तैयार करना चाहते हैं। इसका उद्देश्य पत्रकारों की समस्याओं का समाधान और उनमें परस्पर संवाद स्थापित करना है।

अनुष्का ग्रुप व वरिष्ठ नागरिक संस्थान के कैलेंडर का विमोचन

उदयपुर। अनुष्का ग्रुप के कैलेंडर का विमोचन रिटायर्ड डेपुटी लेबर कमिशनर दामोद दास सैनी एवं संस्थान सचिव राजीव सुराणा ने किया। सुराणा ने बताया कि कैलेंडर में अनुष्का ग्रुप द्वारा वर्षभर संचालित शैक्षणिक, सामाजिक एवं जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों को भी दर्शाया गया है। इसमें विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को संस्थान की वार्षिक कार्ययोजना, उपलब्धियों और आयोजनों की स्पष्ट जानकारी प्राप्त होगी। इसी तरह महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान के कैलेंडर का विमोचन किया गया। संस्थान के महासचिव भंवर सेठ के अनुसार इस कैलेंडर में संस्थान द्वारा वर्ष भर में की जाने वाली गतिविधियों को अलग से दर्शाया गया है।

वाधवानी चौथी बार अध्यक्ष

उदयपुर। भूपालपुरा स्थित सिंधी भवन में खानपुर सिंधी पंचायत की सभा में किशन वाधवानी को चौथी बार निर्विरोध अध्यक्ष चुना। सभाध्यक्ष प्रताप कारड़ा ने वाधवानी को तीन वर्षके लिए निर्विरोध अध्यक्ष बनाने की घोषणा की। कोषाध्यक्ष इन्द्र रामेजा ने आय-व्यय प्रस्तुत किया।

अशोक मंदवानी, नंदलाल मंदवानी, मनोहर कारड़ा, राजेश खत्री, कमल साहित्या, गोपीचंद रामेजा, लक्ष्मण साहित्या, नरेश साहित्या, किशन कटारिया, नंदलाल खत्री मौजूद थे।

कैटरिंग डीलर समिति का अधिवेशन

उदयपुर। कैटरिंग डीलर समिति का तीन दिवसीय आयोजन 4 जनवरी को आर.के. सर्कल स्थित कृष्णा वाटिका में वर्ष 2026 के कलैंडर विमोचन के साथ संपन्न हुआ। अध्यक्षता राजस्थान कैटरिंग डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज सेवानी ने की। उन्होंने समिति की सक्रियता और संगठनात्मक मजबूती का सराहना की। समारोह में शहर के गणमान्य नागरिक और सामाजिक, व्यावसायिक क्षेत्र के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कैलेण्डर का विमोचन किशनलाल साहू (नैणावा) व उनके पुत्र हेमंत साहू ने किया। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने बताया कि इस अवसर पर देश के विभिन्न

राज्यों से भी कई प्रतिनिधि शामिल हुए। उनकी उपस्थिति ने आयोजन को राष्ट्रीय पहचान दिलाई। कार्यक्रम में अतिथियों का पारंपरिक स्वागत और सम्मान किया गया। समिति की आगामी योजनाओं पर चर्चा भी हुई। आयोजन के प्रथम दिन खेल भावना को समर्पित क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजित हुआ। समिति अध्यक्ष कमल गुर्जर ने बताया कि इसमें उदयपुर की प्रतिष्ठित कैटरिंग संस्थाओं की आठ टीमों ने भाग लिया। फाइनल में जीआर केटरर्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए केबीएस कैटरर्स को हरा कर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। आयोजन के दूसरे दिन धुरंधर नाईट एवं मेले का उद्घाटन पूर्व उप महापौर पारस सिंघवी व सिंधी साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष हरीश राजानी ने किया।सचिव नरेश बदंवाल व कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र चित्तौड़ा ने अतिथियों का स्वागत किया।

दिगम्बर जैन समाज सम्मान समारोह

उदयपुर। अ.भा. दिगम्बर जैन सकल नरसिंहपुरा संस्थान द्वारा गत दिनों सीए, पत्रकार सम्मान व कैलेण्डर विमोचन समारोह सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि दिनेश खोडनिया थे। अध्यक्षता पदम कुमार रत्नावत ने की। संस्थान के परम संरक्षक कुन्तीलाल जैन ने बताया कि समाज के उन 6 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मन किया गया, जिन्होंने इसी वर्ष सी.ए. परीक्षा उत्तीर्ण की। समाज के 12 पत्रकार भी सम्मानित किए गए। स्वागत भाषण संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष हर्ष जैन, इन्दौर ने किया। कुन्तीलाल जैन ने इस बात पर दुःख व्यक्त किया कि एक समय लोकसभा में जैन समाज की 42 सदस्यों के साथ उपस्थिति थी, जो आज नगण्य हो गई है। हमें राजनैतिक प्रभाव के साथ समाज के विकास में सक्रिय भूमिका का निर्वाह करना होगा। समारोह को धरणेन्द्र जैन प्रदेश महामंत्री प्रीतम जैन, अरनोद ने भी विचार व्यक्त किए। संयोजन महामंत्री रितेश सुरावत ने किया।

तारा संस्थान ने किया पेंशनरों का सम्मान

मावली। तारा संस्थान एवं राजस्थान पेंशन समाज उपशाखा का संयुक्त सम्मान समारोह गत दिनों राजकीय उच माध्यमिक विद्यालय में संपन्न हुआ। जिसमें संस्थान की ओर से

80 पेंशनरों का सम्मान किया गया। संस्थान की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के नेत्र की निशुल्क जांच एवं चिकित्सा का प्रस्ताव दिया गया। मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा उपनिदेशक रमाकांत आमेटा थे। अध्यक्षता शिक्षाविद् बसंतकुमार त्रिपाठी ने की। विशिष्ट अधिकारी आयुर्वेद चिकित्साधिकारी रामेन्द्र शर्मा, एसबीआई के प्रबंधक विक्रमसिंह मीणा, उपकोष अधिकारी कैलाश पगारिया थे।

राज्यपाल द्वारा श्याम प्रकाश देवपुरा सम्मानित

नाथद्वारा (वि)। अनुराग सेवा संस्थान, लालसोट द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अनुराग साहित्यकार अलंकरण समारोह 2025 के अवसर पर साहित्य मंडल के प्रधानमंत्री एवं हरसिंगार पत्रिका के संपादक श्याम प्रकाश देवपुरा को राज्यपाल डॉ.हरिभाऊ बागड़े द्वारा स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र, शॉल, श्रीफल, राशि देकर सम्मानित किया गया। श्याम प्रकाश देवपुरा को उनके श्रेठ संपादन के लिए कीर्तिशेष श्री शिवनारायण रावत स्मृति अनुराग साहित्य सम्मान 2025 से विभूषित किया गया। इस गरिमामय क्षण में लालसोट विधायक रामविलास मीणा एवं कैलाश चन्द्र, संघ प्रचारक विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस गौरवशाली क्षण में अखिल भारतीय स्तर पर 31 साहित्यिक विभूतियों को सम्मानित किया गया।

कृष्णा कंवर का सम्मान

उदयपुर। राजपूत महासभा संस्थान की ओर से राष्ट्रीय आइस स्केटिंग प्रतियोगिता में दो पदक जीतने वाली होनहार खिलाड़ी कृष्णा कंवर गहलोत का सम्मान किया गया। समारोह में कृष्णा कंवर की इस उपलब्धि को न केवल उदयपुर बल्कि पूरे राजस्थान के लिए गौरवपूर्ण बताया गया। महासचिव प्रदीप सिंह भाटी ने कृष्णा कंवर को 11000/- की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान कर उत्साहवर्धन किया। संस्थान अध्यक्ष संत सिंह भाटी ने उन्हें 51 किलो की विशाल माला पहनाकर सम्मानित किया। कृष्णा कंवर गहलोत ने कहा कि उन्हें राजपूत महासभा संस्थान पर गर्व है, जो समाज की बेटियों को आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करता है। संचालन राजेंद्र सिंह भाटी ने किया।

जेके टायर बानमोर संयंत्र के तीसरे चरण का उद्घाटन

उदयपुर। भारतीय टायर उद्योग की प्रमुख कंपनी और रेडियल मध्य टायर खंड में अग्रणी, जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने गत दिनों मध्यप्रदेश के बानमोर स्थित अपने अत्यधुनिक सवारी कार रेडियल (पीसीआर) विनिर्माण संयंत्र में क्षमता विस्तार और आधुनिकीकरण के तीसरे चरण का उद्घाटन किया। उद्घाटन भारत की अग्रणी वाहन निर्माता, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी, हिसाशी ताकेउची ने जेके टायर के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. रघुपति सिंघानिया और प्रबंध निदेशक, अंशुमान सिंघानिया के साथ-साथ मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) की नेतृत्व टीम की उपस्थिति में हुआ। बानमोर संयंत्र में जेके टायर की अलग-अलग चरण में एक हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की रणनीति के अंग के रूप में फेज-3 के चालू होने के साथ संयंत्र की उत्पादन क्षमता बढ़कर 30,000 सवारी कार रेडियल टायर प्रति दिन हो गई है, जो सालाना लगभग 10.5 मिलियन (1.05 करोड़) टायर के बराबर है। इस उपलब्धि से घरेलू विनिर्माण और भारत के विस्तृत होते सवारी वाहन परितंत्र के प्रति कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता जाहिर होती है। जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. रघुपति सिंघानिया ने कहा कि बानमोर संयंत्र में हिसाशी ताकेउची सान द्वारा फेज-3 का उद्घाटन भारत के विनिर्माण परितंत्र को मजबूत करने और देश के वाहन क्षेत्र के विकास की संभावना का समर्थन करने के प्रति जेके टायर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मार्बल एसोसिएशन में डॉ.सामर अध्यक्ष, रौनक सचिव

उदयपुर। मार्बल एसोसिएशन उदयपुर की कार्यकारिणी (वर्ष 2025-27) के चुनाव में अध्यक्ष डॉ. गजेन्द्रसिंह सामर निर्विरोध निर्वाचित हुए। वहीं उपाध्यक्ष पद पर पिंटू प्रजापत और कोषाध्यक्ष पद पर अरुण जैन को निर्विरोध चुना गया। सचिव एवं सह सचिव पद के लिए मतदान हुआ, जिसमें सचिव पद पर रौनक कोठारी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को सात मतों से पराजित कर जीत दर्ज की, जबकि सहसचिव पद पर करण जैन ने 54 मतों के अंतर से विजय प्राप्त की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. गजेन्द्र सिंह सामर ने बताया कि कार्यकारिणी सदस्य पर भगवतीलाल जैन, जीवन सिंह देवड़ा, महेश गुप्ता, मोहम्मद इलियास, नीतेश कुमार जैन, सुनील अग्रवाल एवं वीरेन्द्र चौधरी निर्विरोध निर्वाचित हुए। चुनाव सह संयोजक बाबूभाई चोरड़िया, महिपाल सिंह रूपपुरा, नितुल चंडालिया, श्याम नागौरी एवं पंकज गांगावत की उपस्थिति में संपन्न हुए।

अस्पताल को 13 बेंचों का लोकार्पण

उदयपुर। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर उपभोक्ता सुरक्षा संगठन की ओर से स्व. खेमराज कटारा चिकित्सालय, हिरणमगरी में 13 सीमेंटेड बेंचों का लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि नक्षत्र तलेसरा, विशिष्ट अतिथि विवेक दुलावत, दीपक श्रीवास्तव, नरेन्द्र माथुर रहे। अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजश्री गांधी ने की। राष्ट्रीय समन्वयक शिरीष नाथ माथुर ने बताया कि संगठन प्रतिवर्ष उपभोक्ता हितार्थ ठोस एवं जमीनी कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इसी के तहत अस्पताल परिसर में रोगियों, परिजनों एवं आमजन की सुविधा के लिए 13 सीमेंट बैंचों का लोकार्पण किया गया है। इस कार्य में बैंक ऑफ बड़ौदा यंग ग्रुप, डालचंद सिंघवी, बीएल जैन, प्रकाश जैन, बाबूसिंह जोधपुर, गीता वर्मा, डॉ. अल्पना बोहरा, जगदीश भाटी, रजनीश गांधी एवं केके गुप्ता का सहयोग रहा।

जोधावत सहायक प्रांतपाल नियुक्त

उदयपुर। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 के प्रांतपाल अरुण बगड़िया ने रोटरी क्लब उदयपुर के पूर्वाध्यक्ष गजेन्द्र जोधावत को सहायक प्रांतपाल नियुक्त किया। क्लब अध्यक्ष दीपक मेहता एवं पूर्व प्रांतपाल निर्मल सिंघवी ने बताया कि प्रांत की ओर से मनोनीत क्लबों की प्रशासनिक एवं सेवा कार्यों की जिम्मेदारी जोधावत वर्ष 26-27 में 1 जुलाई से संभालेंगे।

डॉ. नागर जिला कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष

उदयपुर। डॉ. सत्यभूषण नागर को जिला कांग्रेस कमेटी के चिकित्सा प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वे पहले भी जिलाध्यक्ष और प्रदेश महासचिव रह चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने एनएसयूआई में जिला उपाध्यक्ष, शहर जिला कांग्रेस में सचिव और पैरा मेडिकल काउंसिल राजस्थान में विशिष्ट सदस्य के पदों पर कार्य किया है।

वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

उदयपुर। सनाढ्य समाज साहित्य मंडल के तत्वावधान में वर्ष 2026 के सामाजिक कैलेंडर का विमोचन हुआ। मुख्य अतिथि रमेशचन्द्र शर्मा अध्यक्ष, समग्र सनाढ्य समाज एवं विशिष्ठ अतिथि राजऋषि शर्मा रहे। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अम्बालाल सनाढ्य ने की।

डॉ. छतलानी का नौवां विश्व रिकॉर्ड

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ में कार्यरत डॉ. चन्द्रेश कुमार छतलानी को पैरामाउंट अचीवमेंट बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने एक वर्ष में सर्वाधिक एजुकेशनल, स्किल बेस्ट और लर्निंग-ओरिएंटेड सॉफ्टवेयर निर्माण के लिए विश्व रिकॉर्ड से सम्मानित किया। डॉ. छतलानी द्वारा विकसित ये सॉफ्टवेयर छात्रों के सीखने के अनुभव को रोचक, प्रभावी और तकनीक सक्षम बनाते हैं, जो डिजिटल शिक्षा को नई दिशा देने में मददगार साबित होंगे।

गिट्स एवं फ्यूज़न बिज़नेस सोलूशन्स में प्लेसमेंट सपोर्ट करार

उदयपुर। गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज एवं प्रमुख एमएनसी कंपनी फ्यूजन बिज़नेस सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सपोर्ट के लिए करार गीतांजलि ग्रुप की निदेशक कनिका अग्रवाल एवं फ्यूज़न बिज़नेस सॉल्युशन प्राइवेट लिमिटेड की सीईओ श्वेता दुबे के मध्य आवश्यक दस्तावेजों के आदान-प्रदान से संपन्न हुआ। संस्थान के निदेशक डॉ एस एम प्रसन्ना कुमार ने बताया कि इसके अंतर्गत फैलल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, एक्सपर्ट टॉक एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा।

ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट हेड डॉ अरविंद सिंह पेमावत ने इस समझौते को गिट्स के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों को उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण एवं गुणवत्तापूर्ण प्लेसमेंट उपलब्ध कराएगा और विद्यार्थी इंडस्ट्रियल वातावरण से रूबरू होंगे। वित्त नियंत्रक बी एल जागिंड ने कहा कि इंडस्ट्री और एकेडेमिया के बीच की दूरी को कम करना आज की सबसे बड़ी चुनौती है, और यह साझेदारी उसी दिशा में एक सशक्त कदम है। इस कार्यक्रम में फ्यूज़न बिज़नेस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के वाइस प्रसिडेंट शक्ति सिंह शेखावत एवं कुलदीप भटनागर सहित दोनों ग्रुप्स के प्रमुख मेंबर्स उपस्थित रहे।

डॉ. दीपांकर को दोहरा खिताब

उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय टेनिस फैडरेशन की ओर से अजमेर स्थित मेयो कॉलेज में आयोजित मानवेन्द्रसिंह रोहट स्मृति में चार दिवसीय आईटीएफ 200 मास्टर्स ट्रेनिंग प्रतियोगिता का समापन हुआ। इसमें उदयपुर के वेटरन टेनिस खिलाड़ी डॉ. दीपांकर चक्रवर्ती ने शानदार प्रदर्शन कर सिंगल्स और डबल्स दोनों खिताब अपने नाम किए। 60 वर्ष आयु वर्ग के सिंगल्स सेमीफाइनल में डॉ. दीपांकर ने केरल के कर्नल शिबू मैथ्यू को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में उन्होंने दिल्ली के सुदेश सिंह को 6.1, 6.3 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। वहीं 55 वर्ष आयु वर्ग के डबल्स मुकाबले में डॉ. दीपांकर ने जयपुर के दिलीप शिवपुरी के साथ जोड़ी बनाकर कर्नल शिबू एवं रितेश लूथरा की जोड़ी को 6.3, 6.2 से पराजित कर दूसरा खिताब जीता।

भीलवाड़ा में जीबीएच सिम्स हॉस्पिटल का शुभारंभ

उदयपुर। सिम्स हॉस्पिटल अब जीबीएच ग्रुप से जुड़ गया है। इसे अब जीबीएच सिम्स हॉस्पिटल कहा जाएगा। उद्घाटन सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक अशोक कोठारी और कई संतों की मौजूदगी में हुआ। डॉ. कीर्ति जैन ने बताया कि पिछले चार महीने से उदयपुर के वरिष्ठ डॉक्टर हर शनिवार भीलवाड़ा में सेवाएं दे रहे थे। जल्द रोबोटिक सर्जरी, कैंसर इलाज और रेडिएशन सुविधा शुरू की जाएगी। डायरेक्टर ने बताया कि सरकारी योजनाओं और इंश्योरंस के तहत केशलैस इलाज भी उपलब्ध होगा। समारोह में प्रमुख उद्योगपति पंकज ओसवाल, महंत बनवारी शरण शास्त्री, हेमराज पोस्तवाल, मालेश्वरी बाबूगिरी बतौर अतिथि मंचासीन रहे। धन्यवाद डॉ. सुरभि पोरवाल ने दिया।

कैलाश मानव का जन्मदिन मनाया

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक श्री कैलाश मानव का 78वां जन्म दिवस माली कॉलोनी स्थित वर्ल्ड ऑफ ह्यूमिनिटी परिसर में सेवा और सादगी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में दिव्यांगों और जरूरतमंदों को फल, कंबल वितरित किए गए। कैलाश मानव ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान देशभर में पीड़ित मानवता की सेवा में निरंतर कार्यकर रहा है। लाखों सेवाप्रेमियों का विश्वास और सहयोग ही संस्थान की सबसे बड़ी ताकत है। जरुरतमंदों की चेहरों पर मुस्कान लाना ही उपलब्धि है। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने कहा कि दिव्यांगों की दुआओं से संस्थान को निरंतर ऊर्जा मिल रही है और इसी से सेवा यात्रा आगे बढ़ रही है। इस अवसर पर कमलादेवी, वंदना अग्रवाल, सुरेन्द्र सलूजा, जगदीश आर्य, दिनेश चौबीसा भी मौजूद थे।

डॉ. महात्मा को पुष्पांजलि

उदयपुर। समाजसेवी डॉ. ओपी महात्मा की प्रथम पुण्यतिथि पर गीता रामायण सेवा संघ में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। हिंद सेवा मानव कल्याण ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गीता परिवार द्वारा श्रीमद्भागवत गीता के सप्तम अध्याय का श्लोकात्मक पाठ किया गया। बाल कवयित्री आहुति शुक्ला ने भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं से ओतप्रोत कविता का वाचन किया। इस अवसर पर डॉ. श्याम एस. सिंघवी, विष्णु शर्मा हितैषी, एडवोकेट विजयसिंह कच्छावा, डॉ. गोपाल महात्मा, दिव्यकुमार, उमेश शर्मा, कमलेश वैष्णव, युधिष्ठिर चौहान, जमनालाल सुथार, हिम्मतसिंह पोखरना, लोकेश महाराज, एडवोकेट निर्मल कुमार पंडित आदि ने डॉ. महात्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

डॉ. तुक्तक को स्वर्णिम राजस्थान सम्मान

उदयपुर। उदयपुर के द जेड पैलेस ऑकेजन गार्डन हॉल में आयोजित समारोह में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने पीआर के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. तुक्तक भानावत को स्वर्णिम राजस्थान सम्मान प्रदान किया।

डॉ. नायक अध्यक्ष निर्वाचित

उदयपुर। अतिथि संकाय संगठन की बैठक विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस में आयोजित की गई, जिसमें अतिथि संकाय सदस्यों की विभिन्न समस्याओं पर विचार किया गया। संगठन की केन्द्रीय एवं संगठन की कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया। मीडिया प्रभारी डॉ. राजेश यादव ने बताया कि केन्द्रीय कार्यकारिणी में डॉ. मोहित नायक को अध्यक्ष डॉ. प्रियंका चोधरी को उपाध्यक्ष, डॉ. एसडी वैष्णव को महासचिव, डॉ. कर्मराज वर्मा को वित्त सचिव और डॉ. आफरीन शब्बर को सचिव पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। डॉ. रूपसिंह मीणा संरक्षक घोषित किए गए।

गोलछा एसोसिएट चैंपियन लीग 2026 संपन्न

उदयपुर। स्वर्गीय राजेन्द्रकुमार गोलछा की स्मृति में आयोजित गोलछा एसोसिएशन चैंपियन लीग 2026 का आयोजन फील्ड क्लब और लवकुश इंडोर स्टेडियम में हुआ। प्रतियोगिता में क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम, रस्साकशी और दौड़ सहित कई खेल शामिल रहे। पवन शर्मा ने बताया कि इसमें जयपुर, बीकानेर, गुजरात के भुज, बड़ौदा, अहमदाबाद, मोरबी, दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई एवं मेजबान उदयपुर व उदयपुर

माइंस सहित सभी इकाइयों के 250 खिलाड़ियों ने भाग लिया। क्रिकेट के फाइनल मैच में गोलछा वॉरियर्स (रेस्ट ऑफ गुजरात) ने केटीपी लायंस गुजरात को 22 रनों से हराकर खिताब जीता। गोलछा वॉरियर्स के कप्तान समयश पालीवाल ने नाबाद 56 रन बनाए और मैन ऑफ द मैच रहे। समापन समारोह की अध्यक्षता अशोक छाजेड़ ने की। मुख्य अतिथि जनिष्ठ गोलछा रहे। विभिन्न खेलों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

डॉ. अरविंदर बने राष्ट्रीय टॉप चेंजमेकर

उदयपुर। अर्थ ग्रुप के सीईओ डॉ.अरविंदर सिंह ने एक बार फिर नाम रोशन किया है। प्रतिष्ठित मैगजीन ने उन्हें देश के टॉप 100 चेंजमेकर की सूची में शीर्ष स्थान दिया। स्वास्थ्य सेवर, शिक्षा और सामाजिक सशक्तीकरण में उनके काम को यह सम्मान मिला। बचपन में 80 प्रतिशत शारीरिक दिव्यांगता के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। आज वे सफल चिकित्सक, उद्यमी, शिक्षक और समाजसेवी हैं। 168 से अधिक डिग्रियां और प्रमाणपत्र उनके वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हैं। 100 देशों में 25 हजार पेशेवरों को उन्होंने ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया। खारदुंगला जैसे कठिन दर्रे पर बाइक चलाना और ब्रिटिश पार्लियामेंट में सम्मान पाना उनकी उपलब्धियों में शामिल है। उन्होंने दिव्यांगों के कानूनी अधिकारों के लिए संस्थान की स्थापना भी की। डॉ. सिंह का कहना है कि सम्मान उनकी व्यक्तिगत नहीं, बल्कि समाज को आगे बढ़ाने वाली सोच की जीत है।

इंटक प्रदेशाध्यक्ष का स्वागत

उदयपुर। राजस्थान इंटक के चौथी बार प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित हुए जगदीशराज श्रीमाली के उदयपुर आगमन पर रैली के साथ अभिनंदन किया गया। श्रीमाली का राणा प्रताप नगर रेलवे स्टेशन पर श्रमिकों एवं प्रबुद्धजनों ने स्वागत किया। इसके बाद दुपहिया रैली के रूप में चेतक सर्कल स्थित सूचना केन्द्र लाया गया, जहां सभा हुई। श्रीमाली ने कहा कि मेरा शेष जीवन श्रमिकों के लिए समर्पित है। प्रदेश महामंत्री नारायण गुर्जर ने कहा कि पिछले पन्द्रह वर्षों से श्रीमाली श्रमिक हित के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रदेश में राजस्थान इंटक की सदस्यता में निरंतर वृद्धि हो रही है। विशिष्ठ अतिथि पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया व गोपाल शर्मा (गोपजी) थे। अध्यक्षता कांग्रेस के शहर जिलाध्यक्ष फतहसिंह राठौड़ ने की।

चित्तौड़ा संभागीय आयुक्त से सम्मानित

उदयपुर। सूक्ष्म कृति निर्माता डॉ. चन्द्रप्रकाश चित्तौड़ा को नासिक शहर के ब्लू स्टार इवेंट्स की ओर से गत दिनों आइकॉन ऑफ इंडिया 2025 पुरस्कार प्रदान किया गया। संभागीय आयुक्त उदयपुर प्रज्ञा केवलरमानी ने उन्हें उनके कार्यालय में नासिक से आए प्रशस्ति पत्र को भेंट किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

नर्सिंग में कॅरियर विकल्प पर मार्गदर्शन

उदयपुर। शहर के सेक्टर 4 स्थित विद्यानिकेतन स्कूल में कॉन्सेप्ट आरएनए द्वारा हुई मीट अप में शहर सहित आसपास क्षेत्रों के नर्सिंग विद्यार्थियों को आयोजक दिनेश राज पुरोहित, राजेश द्वारा नर्सिंग में कॅरियर विकल्पों, भविष्य की संभावनाओं, सफलता पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। वक्ता राजेश की प्रेरणादायी स्पीच ने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का संचार किया। मेवाड़ नर्सिंग कॉलेज के निदेशक पंकजकुमार शर्मा एवं टीएनएआई के नवनिर्वाचित सोशियो इकोनॉमिक वेलफेयर कमेटी चेयरपर्सन डॉ. राहुल व्यास व विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों के प्राचार्यों को सम्मानित किया गया।

विज्ञान प्रदर्शनी में दिखा नवाचार

उदयपुर। रॉयल पब्लिक स्कूल में गत दिनों विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजित हुई। इसमें छात्र-छात्राओं ने विज्ञान से जुड़े विविध विषयों पर नवाचारी और रचनात्मक मॉडल प्रदर्शित किए। प्रदर्शनी में पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण, सौर ऊर्जा, स्वच्छ भारत अभियान, मानव शरीर, जलवायु परिवर्तन, आधुनिक तकनीक और मेट्रो सिटी पर आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण मेट्रो सिटी मॉडल रहा, जिसमें आधुनिक शहर की संरचना, मेट्रो रेल व्यवस्था, ट्रैफिक सिस्टम, हरित क्षेत्र, स्मार्ट रोड और प्रदूषण नियंत्रण को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। निर्णायक मंडल के आधार पर प्रथम मेट्रो सिटी मॉडल, द्वितीय एयर वाटर रॉकेट तथा तृतीय पुरस्कार न्यूरॉन मॉडल और बायोगैस मिनी प्लांट को मिला। विद्यालय प्रधानाचार्य एवं प्रबंधक सोनू पंवार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यालयों के सर्वांगीण विकास और वैज्ञानिक सोच को मजबूत करते हैं। रॉयल एजुकेशन ग्रुप के निदेशक इंजीनियर जीएल कुमावत ने वैज्ञानिक सोच को सराहा।

डॉ. राजश्री सदस्य नियुक्त

उदयपुर। डॉ. राजश्री गांधी को भारतीय डाक विभाग उदयपुर मण्डल में महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषध और प्रतितोष) अधिनियम की आंतरिक शिकायत समिति की सदस्य नियुक्त किया गया है।

राजानी राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ सांइस के प्रतिनिधि

उदयपुर। हरीश राजानी को राज्यपाल की अनुशंसा पर राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस का प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। राजानी विश्वविद्यालय के प्रबंधन एवं नीतिगत निर्णयों में अहम भूमिका निभाएंगे।

राज्य ओलिंपिक संघ अध्यक्ष का स्वागत

उदयपुर। राज्य ओलिंपिक संघ के अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार उदयपुर आगमन पर तेजस्वी सिंह गहलोत का जिला ओलिंपिक संघ की ओर से स्वागत किया गया। महाराणा भूपाल स्टेडियम में अध्यक्ष विनोद साहू, सचिव जालमचंद जैन एवं चेयरमैन दिनेश श्रीमाली के नेतृत्व में उनका मेवाड़ी पगड़ी, उपरणा पहनाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया गया। अध्यक्ष विनोद साहू ने बताया कि इस अवसर पर वर्ष 2026 में प्रस्तावित ओलिंपिक संघ के कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। साथ ही उदयपुर में संचालित खेल गतिविधियों, विभिन्न खेल संघों की कार्यप्रणाली एवं खिलाड़ियों के विकास से जुड़ी जानकारियां भी राज्य अध्यक्ष को दी गईं।

उदयपुर महिला समृद्धि बैंक में ग्राहक सम्मेलन

उदयपुर। उदयपुर महिला समृद्धि अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की अशोकनगर शाखा का स्थापना दिवस ग्राहकों के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया। बैंक अध्यक्ष डॉ. किरण जैन ने बताया कि इस अवसर पर सुझाव लिए गए तथा कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। सम्मेलन में उत्कृष्ट लेन-देन करने वाले ग्राहकों को पुरस्कृत किया गया। शाखा प्रबंधक प्रेमलता काबरा ने बताया कि शाखा ने 23 वर्षों में 2721.20 लाख रुपए की जमा तथा 1035.01 लाख रुपए का ऋण वितरित कर उल्लेखनीय प्रगति की है। संचालन विमला मूंदड़ा ने किया। सीमा मेहता ने आभार व्यक्त किया।

गीतांजलि में वर्चुअल डिसेक्शन टेबल

उदयपुर। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल उदयपुर के एनाटॉमी विभाग में अत्याधुनिक वर्चुअल डिसेक्शन टेबल का शुभारंभ गीतांजलि ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने किया। वर्चुअल डिसेक्शन टेबल एक अत्याधुनिक 3डी इंटरएक्टिव तकनीक है, जिसके माध्यम से मेडिकल छात्र मानव शरीर रचना को गहराई से समझ सकेंगे। यह नवीन तकनीक स्नातक (यूजी), स्नातकोत्तर (पीजी), छात्रों एवं सर्जिकल टीम के लिए शिक्षण अनुभव को और अधिक प्रभावी बनाएगी तथा मानव शरीर की संरचना को बेहतर तरीके से समझने में सहायक सिद्ध होगी।

डॉ. विवेक कटारा राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त

उदयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस के नेशनल कोर्डिनेटर की सूची जारी की गई। जिसमें राजस्थान कांग्रेस कमेटी सदस्य डॉ. विवेक कटारा को नेशनल कोर्डिनेटर नियुक्त किया गया।

राजेश चुघ जोन कोऑर्डिनेटर

उदयपुर। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3056 में राजेश चुघ को वर्ष 2026-27 के लिए जोन कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया। यह नियुक्ति डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एकेएस अरुण बगड़िया ने की। रोटरी क्लब उदय के अध्यक्ष राघव भटनागर ने बताया कि राजेश चुघ क्लब के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं।

Dharmendra
Director,
+91 94141 58708

श्री JL Distributors

श्री Jagat Leela Distributors

Tarun
Director,
+91 810 444 1444

Tarun Electricals

Stockist

USHA · Symphony · Crompton · Kunstocom (Giving shape to ideas) · Racold · HAVELLS · PHILIPS · OSRAM

Off.: 30/31, Link Road, Opp. Town Hall, Udaipur 313 001 (Raj.)
Ph.: 0294-2423965 (O), E-mail: jagatleela@gmail.com, tarunelectric@yahoo.in

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्रीमती स्नेहलता जोशी धर्मपत्नी स्व. तेजशंकर जोशी का 26 दिसम्बर 25 को देहावसान होगया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्रवधू श्रीमती मंजू (स्व. सैनिक), पुत्री एकता व विजेता तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती सुमन देवी बहल का 4 जनवरी को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पति श्री सुभाषचन्द्र बहल, पुत्र सौरभ, पुत्रियां श्रीमती रीना, अंजलि देवी व शिखादेवी सहित दोहित्र-दोहित्री एवं पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री मन्नालाल जी खत्री मावावाला का 31 दिसम्बर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतत धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नीदेवी, पुत्र विजय, दिलीप व पवन, पुत्रियां श्रीमती कलावती बख्शी व आशा सहगल, भानेज राजकुमार बोहरा व भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री लक्ष्मीचंद जी भोगावत सेमारी वाला का 25 दिसम्बर 2025 को देह परिवर्तन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पादेवी, पुत्र मनोहरलाल व डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री, पुत्री श्रीमती आशा हडांवत तथा पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री एवं भाई-भतीजों का समृद्ध व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती कमला भट्ट (धर्मपत्नी स्व. घनश्यामलाल जी भट्ट) का देवलोकगमन 26 दिसम्बर को हो गया।वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र गोविंद नारायण, नोगेन्द्र नारायण, मोहनलाल, हरीश कुमार व हरिकांत, पुत्री श्रीमती गीता तथा पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री रामचंद्र जी साहू शतायु का देवलोकगमन 1 जनवरी 2026 को हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र राजेन्द्र (लालाजी), सुखलाल, बद्रीलाल व विजयकुमार, दत्तक पुत्र-नागराज रायका व पुत्री श्रीमती हेमलता बंदवाल तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा संसार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती कृष्णा जी भटनागर (धर्मपत्नी आनंदसिंह जी भटनागर) का 30.12.2025 को आकस्मिक देहवसान हो गया। वे अपने पीछे पुत्र गिरीश भटनागर (संयुक्त निदेशक-सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग), पुत्री श्रीमती निलीमा देवी एवं पौत्र, दोहित्र-दोहित्री एवं भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती हीराबाइजी ठाकुरगोता (जैन) धर्मपत्नी स्व. भंवरलाल जी ठाकुरगोता का 28 दिसम्बर 2025 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल पुत्र रमेश कुमार, ललितकुमार व महेन्द्र कुमार, पुत्री श्रीमती आशा कोठारी तथा पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री एवं देवर-देवरानियों, भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी श्री मनोहरलाल जी मेहता का 23 दिसम्बर को देहावसान हो गया। जिनका राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार किया गया।वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र सूरजमल व अशोक कुमार, पुत्री पुष्पा रतड़िया, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री, भतीजे-भतीजियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर भाजपा, कांग्रेस सहित विभिन्न राजनैतिक व सामाजिक संगठनों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है।

उदयपुर। पुरातत्ववेत्ता-साहित्यकार श्री कृष्णचन्द्रजी शास्त्री का 10 जनवरी को देहावसान हो गया। मीराबाई के जीवन व साहित्य पर शोध करने के साथ ही वे केन्द्रीय हिंदी राजभाषा परिषद के सदस्य भी रहे। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती सुशीलादेवी, पुत्र प्रियदर्शन एवं अभिनव शास्त्री सहित दोहित्र-पौत्री का भरापूरा संसार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री नकुल जी सिंघवी का असामयिक निधन मकर संक्रांति 14 जनवरी को हो गया। वे 46 वर्ष के थे। वे अपने पीछे शोक विह्वल दादी- हिम्मतदेवी जी, माता-पिता चन्द्रादेवी-अनिल कुमार सिंघवी, धर्मपत्नी श्रीमती विभूति देवी, पुत्र नव सिंघवी एवं बहिन-बहनोई, चाचा-चाची एवं भानेज-भानजियों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती सुशीलादेवी जी सावनसुखा (धर्मपत्नी समाजसेवी उद्यमी स्व. किरणमल जी सावनसुखा) का 12 दिसम्बर को देहावसान हो गया।उनकी अंतिम इच्छानुसार पार्थिक देह को आरएनटी मेडिकल कॉलेज को दान कर दिया गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्री-दामाद श्रीमती सरोज-भगवतसिंह सुराना, देवर-देवरानी तेजसिंह तरुण-पुष्पा, दोहित्र-दोहित्रियों एवं भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। स्व. श्री मनुभाई पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती विलास बेन पटेल का 16 दिसम्बर को निधन हो गया। वे अपने पीछे विरह में व्यथित हृदय पुत्र जैमिन व मिनेश पटेल, दामाद मयूर पटेल (स्व. अल्पाबेन) व दोहित्री, पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गईहैं।

उदयपुर। श्री रविन्द्रनाथजी चतुर्वेदी का 4 जनवरी को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती उमा चतुर्वेदी, पुत्र तरन व प्रियंक तथा पौत्र, पौत्री, भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। स्व. श्री चांदमल जी बोहरा की धर्मपत्नी श्रीमती अम्बाबाई का आकस्मिक देह परिवर्तन 3 जनवरी को हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र देवेन्द्र व राजकुमार, पुत्री तिलक लिखमावत, सीमा जैन व रेखा फांदोत तथा पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गईहैं।

Abhishek Sharma
Director
9602976660
8760111119

SHREEJI FINANCIAL CONOSULTANCY

Your Trusted Partner in Property Finance

Our Services

- ✔ Property Finance
- ✔ Home Loan & Mortgage Loan
- ✔ CC/OD Facility
- ✔ Commercial Property Loan
- ✔ Property Purchase Loan
- ✔ Plot Mortgage
- ✔ Hotel Loan
- ✔ Project Finance

Attractive Interest Rates

Starting From Government Rates @7.5%**

*** Terms and Conditions Apply*

हारे का सहारा, बाबा खाटू श्याम हमारा

GNM INFRASOLUTION
PRIVATE LIMITED

ROCK TO ROAD SOLUTION

KOBELCO · Shell · BKT GROWING TOGETHER · wipro · HAIL STONE
DYNAPAC · CONMAT · PAI KANE GROUP · FINE · MARINI FAYAT GROUP

Branch Network

Jaipur, Udaipur, Jodhpur, Kota, Kekri, Bikaner, Neem Ka Thana, Nagaur, Barmer, Jalore, Rajsamand, Bhilwara, Deogarh

+9178499 04386
11, Transport Nagar, Jaipur (Raj.) INDIA
sales.kobelcojpr@gnmotors.org
www.gnmotors.org

vedanta
transforming for good

HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

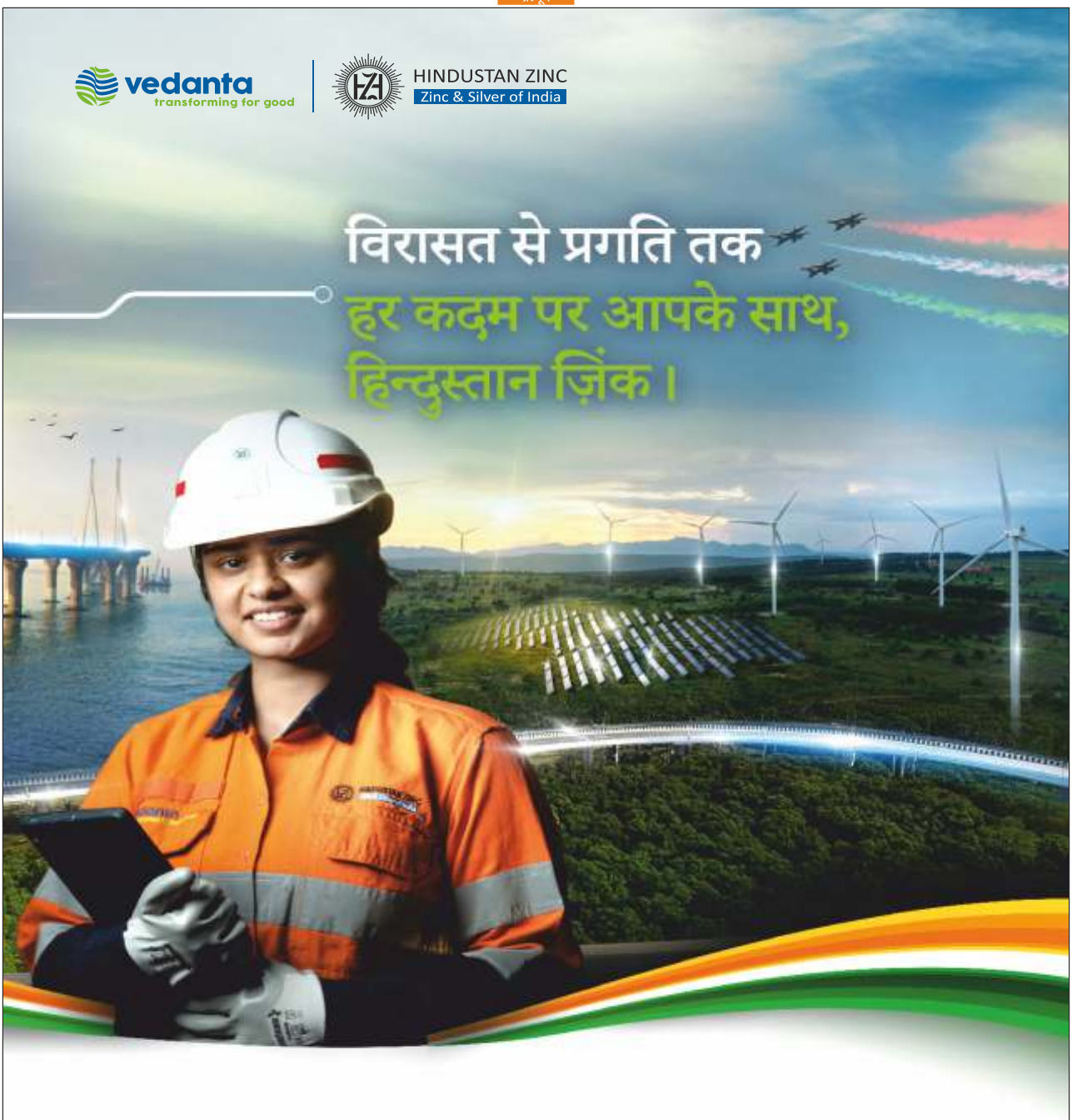

ज़िंक बनाये आपका आज सुरक्षित और मजबूत रखे देश का कल।

विश्व का सबसे बड़ा एकीकृत ज़िंक और शीर्ष पाँच चांदी उत्पादकों में से एक, हिन्दुस्तान ज़िंक इस गणतंत्र दिवस पर शक्तिशाली और आत्मनिर्भर भारत पर गर्व करता है।

HAPPY Republic DAY

SAFE SMART SUSTAINABLE

Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, INDIA. | Contact No: +91 294-6604000-02 | www.hzlindia.com | CIN L27204RJ1966PLC001208

www.linkedin.com/company/hindustanzinc/ www.facebook.com/HindustanZinc/ x.com/Hindustan_Zinc_ www.instagram.com/hindustan_zinc/

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed To Be University)

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय)

Pratap Nagar, Udaipur – 313001 (Raj.) Ph. & Fax : 0294-2492440, Email: admissions@jrnrvu.edu.in

समस्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता प्राप्त

ADMISSIONS OPEN - 2026-27

Manikyalal Verma Shramjeevi College

Faculty of Social Sciences and Humanities : Mob. : 9413263428, 9414353154

B.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science, Environmental Science
M.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science
Diploma Course : Diploma in Panchgavya, Diploma in Acupressure, P.G. Diploma in GIS & Remote Sensing, Bachelor of Journalism and Mass Communication **Certificate Course :** Spoken English, Proficiency in English and Communication Skills, Culture of Rajasthan, Research Methods and Data Analyst, Human Rights, Acupressure, Sanitation and Modern Society, Health Awareness

Jyotish and Vastu Sansthan - 9460030605

M.A. (ज्योतिर्विज्ञान), Diploma and Certificate Courses in Astrology (ज्योतिष), Vastu (वास्तु), Palmistry (हस्तरेखा), Worship System (पूजा पद्धति), Rituals (अनुष्ठान), Vedic Culture (वैदिक संस्कार संस्कृति).

Faculty of Commerce : Mob. : 9460372183, 9461180053

B.Com., M.Com. (Accounting, Business Administration), Master of NGO Management, P.G. Diploma in Training & Development Certificate Course: Plastic Processing and Manufacturing Skills, Tally ERP-9.0, Goods and Service Tax (GST)

Faculty of Science : Mob. 7852803736, 9828072488

B.Sc. : Physics, Mathematics, Chemistry, Statistics, Computer Science, Botany, Zoology, Biotechnology, Environmental Science, Geology
M.Sc. Chemistry (Inorganic, Organic, Physical, Industrial)
M.Sc. : Mathematics, Physics, Botany, Zoology, Environmental Science, Statistics, Bioinformatics, Biotechnology, Renewable Energy

Faculty of Education - 9829030058

B.A.B.Ed. & B.Sc.B.Ed. (Four Year Integrated Course)

महाराणा कुम्भा कला केंद्र - 6376147607

भूषण, प्रभाकर प्रथम, द्वितीय (शिक्षा विभाग बीकानेर द्वारा संचालित)
डिप्लोमा : तबला, ढोलक, बांसुरी, ड्रम, कांगो, गिटार, हारमोनियम, कंसियो

Manikyalal Verma Shramjeevi Evening College Mob. - 9414291078, 8209630249

• B.A • BA (Additional) • B.Lib MA (All Subjects) • MA (Music) • M.Com • M.Sc (Chemistry/Botany /Zoology/Physics/Maths, Biotechnology/ Environmental Science) • MA / M.Sc (Psychology) • M.Lib • PG Diploma in Guidance counseling • PG Diploma in Mental Health Counselling • B.Ed in Special Education (ID) • B.Ed Special Education (HI) • D.Ed. Special Education (IDD) • D.Ed. Special Education (HI) • D.Ed. Special Education (VI) • (BA/B.Com/B.Sc Integrated BEd special Education Eligibility 10+2) • DCBR (Diploma in Community Based Rehabilitation) • DISLI (Diploma in Indian sign language interpretation • D.Lib • Diploma in Music • MPT (Master of Physiotherapy (eligibility: BPT) • BOT (Bachelor of Occupational Therapy (eligibility : 10+2 Science) • BA- BEd Special Education ID (ISITEP ID) (eligibility : 10+2)

Department of Physical And Yoga Education
M.V. Shramjeevi Collage Campus, Mob. 9929434419, 9829797533

M.A.Yoga, P.G. Diploma In Yoga, Physical Education, M.A. Physical Education, Bachelor of Physical Education & Sports, (B.P.E.S),

Department of Physical Education, Pratap Nagar Campus - 9829943205

M.P.Ed., PG Diploma in Yoga.

Department of Law, Mob. 9414343363, 9887214600

B.A.LL.B. (5 Year Integrated Course), LL.B. (3 Year Degree Course), LL.M. (2 Years), PG Diploma (1 Year Course) in Labour Law (PGDLL). Cyber Law (PGDCL), Law & Forensic Science (PGDLFS). Accountancy & Taxation (PGDLTA) and Intellectual Property Laws (PGDIPL). LLM 2 years (Criminal and Business Law), Diploma in Criminal Psychology

जन शिक्षण एवं विस्तार कार्यक्रम निदेशालय, प्रतापनगर (6376147607, 9414296535)

• कम्युनिटी सेंटर्स : बेदला, नाई, टीडी, खरपीणा, झाड़ोल (सराड़ा), सलूम्बर, कानपुर, साकरोदा
• कम्प्यूटर डिप्लोमा (१ वर्ष) • कम्प्यूटर में प्रमाणपत्र (६ माह) • सिलाई में प्रमाणपत्र (६ माह)

Department of Pharmacy - 9414869044, 9772982280, 9983938888

B. Pharm (4 year Degree Course), **D. Pharm** (2 year Diploma Course)

- आईआईआरएफ रैंकिंग 2024 में राष्ट्रीय स्तर पर 37वां स्थान
- ईपीएसआई रैंकिंग 2024 में भारत के विश्वविद्यालयों में 32वां स्थान
- आईआईआरएफ रैंकिंग 2023 में प्रदेश में प्रथम
- इम्पैक्ट रैंकिंग में राजस्थान में द्वितीय स्थान
- यूनी रेंक में उदयपुर में पहला स्थान
- **RECENT IPR GRANTED**
  - **Patent : 28**
  - **Trade & Design: 40**
  - **Copyright : 5**
  - **Monograph, Book Chapter, Books, No. of Articles**

Faculty of Engineering - Rajasthan Vidyapeeth Technology College
Mob. 9950304204, 9414738278

Diploma in Engineering- Civil Engineering, Electrical Engineering, Mechanical Engineering. Electronics & Communication Engineering, Computer Science. BCA (AICTE APPROVED)

Faculty of Computer Science and Information Technology
Mob. 9414737125, 9461260408

B.C.A. (AICTE APPROVED), M.C.A.(AICTE APPROVED), M.Sc.(CS), P.G.D.C.A., B.Voc in Software Development, DCA (Diploma in Computer Applications).

Department of Physiotherapy - Mob. 0294-2656271, 9414234293

Bachelor of Physiotherapy (B.P.T.). Master of Physiotherapy (M.P.T.). Master of Hospital Management. Fellowship in Palliative Care and Oncology Rehabilitation, Fellowship in Neurological Rehabilitation, MBA in Health Care Management. Fellowship in Geriatric Care and Rehabilitation, Fellowship in Sports Rehabilitation, M.Sc. Osteopathy

Department of Nursing - Mob.9772982280, 7597348944 (2024-25 & 2025-26)

B.Sc. Nursing - 4 year G.N.M. Nursing - 3 year

Udaipur School of Social Work - Mob. 8118806319, 9829445889

MSW, PG Diploma in HRM, PG Diploma in CSR
MSW - Self Finance Evening Batch, PG Diploma in Labour Welfare

Sahitya Sansthan (Institute of Rajasthan Studies) Mob. 8003636352

M A in Ancient Indian History, Culture and Archaeology;
PG Diploma in Archaeology.

School of Agricultural Sciences, Dabok - 9460728763

B.Sc. (Hons.) Agriculture, B.Sc. Horticulture, B.Tech. Food Technology, M.Sc. in Agronomy, Horticulture, Plant Pathology and Genetics & Plant Breeding

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Dabok Mob.9694881447, 9079919960

B.A., B.Com., B.Sc., M.A. (English, Hindi, Sanskrit, Pol. Sc., History. Geography, Sociology, Economics), M.Com (Accountancy), M.Com in Business Adm., Special Classes for English Speaking and Computer Basics. Special classes for competition exams (free of charges)

R.V. Homoeopathic Medical College and Hospital, Dabok Mob. 9928253150, 8769746883

BHMS - 5 1/2 years Course (ADMISSION FROM ALL INDIA QUOTA)
M.D (Homoeopathic) 1:- PAEDIATRICS 2:- PRACTICE OF MEDICINE, 3 years regular course & Homoeopathic Pharmacy course, 2 years course & 1 year integrated course, PG diploma in yoga(Ayush system of Medicine)

Faculty of Management Studies (FMS) Mob. 8112281461, 7737623462

M.B.A (H.R / Marketing / Finance / Production & Operation Management / I.B / I.T / Tourism and Travel / Retail Management / Agri- Business / Family Business Management), M.H.R.M.

• BBA (Bachelor of Business Administration) - **9950489333**
• BBA (Travel & Tourism) Specialisation in Hotel Management (AICTE approved)
• Diploma in Hotel Management (Food & Beverage Service)
• Diploma in Hotel Management (Food Production)
• Diploma in Hotel Management (Housekeeping)

Manikyalal Verma Shramjeevi College, Pratapnagar, Udaipur Mob. : 9799693124, 9929939963

B.A., B.Com, B.Sc.,
M.A., M.com. : (All Subjects), Regular special classes for competitive exams (free of charges)

Lokmanya Tilak Teachers Training College, Dabok Mob. 9414812900, 9414472016, 8306182436

बी.एड. (बाल विकास) B.Ed., M.Ed., M.A. Education, B.A.B.Ed., B.Sc.B.Ed. (4 Year Integrated), B.Ed.-M.Ed. (3 Year Integrated), D.El.Ed., PG Diploma in Yoga

Note : For more information about the admission in various courses like minimum percentage, fee structure etc. please go through our website : **www.jrnrvu.edu.in**, respective prospectus or contact concerned department

REGISTRAR

SHIVA © 9828244344

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 23 अंक 10, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2024-26 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur
'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001